आषाढ़ कृष्ण - 5 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 328 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 26-06-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 हार सुनिश्चित दिखती है तो कांग्रेस किसी दलित को उम्मीदवार बना देती है : चिराग पासवान

6 युवाओं की सृजनशीलता को मिटा रहे मादक पदार्थ

7 आपातकाल की 49वीं वर्षगांठ पर कंगना ने 'इमरजेंसी' का पोस्टर जारी किया

फर्स्ट टेक

राहुल गांधी लोस में होंगे कांग्रेस संसदीय दल के नेता

नई दिल्ली/एजेन्सी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 18वीं लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता बनाये गये हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के आवास पर मंगलवार की शाम संसद में विपक्षी गठबंधन के घटक दलों के नेताओं की बैठक के बाद पत्रकारों को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने लोकसभा में गांधी को सदन में कांग्रेस का नेता नियुक्त किया है और इसकी जानकारी प्रोटेम स्पीकर भतृहरि महताब को दे दी गई है।

यूक्रेन, मोल्दोवा यूरोपीय संघ की सदस्यता के लिए वार्ता शुरू करेंगे

ब्रसेल्स/एपी। यूक्रेन यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ समूह की सदस्यता के लिए आधिकारिक तौर पर वार्ता शुरू करने जा रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसे अपने देश के नागरिकों के लिए सपना सच होने जैसा बताया है। रूस के साथ यूक्रेन के युद्ध के दो साल से अधिक समय बाद यह वार्ता शुरू होने जा रही है। यूक्रेन की यूरोपीय मामलों की उप प्रधानमंत्री ओल्गा स्टेफनिशिना लक्जमबर्ग में एक अंतर-सरकारी सम्मेलन में अपने देश के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। इसके साथ यूक्रेन के कानूनों और मानकों को 27 देशों के समूह के अनुरूप बनाने के लिए वार्ता की आधिकारिक शुरुआत होगी। मोल्दोवा भी ईयू में आधिकारिक तौर पर शामिल होने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए एक अलग अंतर-सरकारी सम्मेलन में भाग लेगा।

जम्मू से वैष्णो देवी मंदिर तक हेलीकॉप्टर सेवा शुरू

कटरा/जम्मू/भाषा। जम्मू से माता वैष्णो देवी मंदिर तक मंगलवार को सीधी हेलीकॉप्टर सेवा शुरू हो गई जिससे समय की कमी के कारण एक दिन के भीतर ही इस पवित्र मंदिर में दर्शन की इच्छा रखने वाले तीर्थयात्रियों को काफी सुविधा होगी। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। यह हेलीकॉप्टर सेवा रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित प्रसिद्ध मंदिर में जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए आधार शिविर और मंदिर के पास सांझी छत के बीच पहले से ही उपलब्ध हेलीकॉप्टर सेवा के अतिरिक्त है, जिनका एक तरफ का किराया 2,100 रुपये प्रति व्यक्ति है। जम्मू से इस सेवा का विकल्प चुनने वाले तीर्थयात्रियों के पास दो पैकेज के विकल्प उपलब्ध होंगे। इसमें उसी दिन वापसी के लिए प्रति यात्री 35,000 रुपये और अगले दिन वापसी के लिए प्रति व्यक्ति 60,000 रुपये लगेंगे। अधिकारियों ने बताया कि नई सेवा की शुरुआत के अवसर पर तीर्थयात्रियों को लेकर पहला हेलीकॉप्टर सुबह करीब 11 बजे जम्मू हवाई अड्डे से रवाना हुआ।

26-06-2024 सूर्यास्त 6:49 बजे | 27-06-2024 सूर्योदय 5:56 बजे

BSE	NSE
78,053.52 (+712.45)	23,721.30 (+183.45)

सोना	चांदी
7,380 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	91,100 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जमानती खेल

कौन जमानत दे किसको,
सारे रिमांड पर चढ़े हुए।
कब्रों से मुर्दे जिन्न हुए,
जो थे चित्रों में मढ़े हुए।
ईडी हो या सीबीआई,
सबके सवाल हैं गढ़े हुए।
वे स्वयं अँगूठा दिखा रहे,
जो कानूनों को पढ़े हुए।।

आबकारी 'घोटाला' :

उच्च न्यायालय ने अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ निचली अदालत के न्यायाधीश ने विवादित आदेश पारित करते समय रिकॉर्ड पर प्रस्तुत सामग्री/दस्तावेजों और ईडी द्वारा उठाए गए तर्कों का उचित आकलन नहीं किया।

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत देने के निचली अदालत के आदेश पर मंगलवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि निचली अदालत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उसके समक्ष पेश की गई सामग्री का उचित आकलन करने में विफल रही और उसने आम आदमी पार्टी नेता की जमानत याचिका पर फैसला करते समय विवेक का इस्तेमाल नहीं किया। पीठ ने कहा कि जमानत आदेश को लेकर ईडी की आपत्तियों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

इसने कहा कि निचली अदालत के न्यायाधीश ने विवादित आदेश पारित करते समय रिकॉर्ड पर प्रस्तुत सामग्री/दस्तावेजों और ईडी द्वारा उठाए गए तर्कों का उचित आकलन नहीं किया। पीठ ने कहा कि धारा 439(2) के तहत याचिका में दी गई दलीलों/आधारों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

उच्च न्यायालय ने कहा, ''तदनुसार, वर्तमान आवेदन स्वीकार किया जाता है और विवादित आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाई जाती है।''

निचली अदालत की न्यायाधीश, न्याय बिंदु ने 20 जून को केजरीवाल को जमानत दे दी थी और एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया था। ईडी ने अगले दिन उच्च न्यायालय का रुख किया और दलील दी कि निचली अदालत का आदेश ''त्रुटिपूर्ण, एकतरफा और गलत'' था तथा उसे मामले पर बहस करने का पर्याप्त अवसर दिए बिना पारित कर दिया गया।

आपातकाल लगाने वालों को संविधान के प्रति प्रेम जाहिर करने का कोई अधिकार नहीं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ केवल सत्ता से चिपके रहने के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने प्रत्येक लोकतांत्रिक सिद्धांत की अवहेलना की और राष्ट्र को कारागार बना दिया। जो भी व्यक्ति कांग्रेस से असहमत होता था, उसे प्रताड़ित किया जाता था। सबसे कमजोर वर्गों को निशाना बनाते हुए सामाजिक रूप से उन्हें नुकसान पहुंचाने वाली नीतियां शुरू की गईं।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने आपातकाल लागू कर बुनियादी स्वतंत्रताओं को नष्ट किया और भारत के संविधान को कुचला, उन्हें संविधान के प्रति प्रेम जाहिर करने का कोई अधिकार नहीं है।

आपातकाल की बरसी पर मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक के बाद एक पोस्ट में कहा कि जिस मानसिकता के कारण देश में आपातकाल लगाया गया था, वह आज भी उस पार्टी में जीवित है जिसने इसे लागू किया था। उन्होंने कहा, वे अपने प्रतीकवाद के माध्यम से संविधान के प्रति अपने तिरस्कार को छिपाते हैं, लेकिन भारत के लोगों ने उनकी हरकतों को देखा है और इसीलिए उन्होंने उन्हें बार-बार खारिज किया है।

मोदी ने कहा कि आज का दिन उन सभी महापुरुषों और महिलाओं को श्रद्धांजलि देने का है जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया था। उन्होंने कहा, जिन लोगों ने आपातकाल लगाया, उन्हें हमारे संविधान के प्रति अपने प्रेम को जाहिर करने का कोई अधिकार नहीं है। ये वही लोग हैं जिन्होंने असंख्य मौकों पर अनुच्छेद 356 लगाया, प्रेस की स्वतंत्रता को नष्ट करने के लिए एक विधेयक लेकर आए, संघवाद को नष्ट किया और संविधान के हर पहलू का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा, आपातकाल के काले दिन हमें याद दिलाते हैं कि कैसे कांग्रेस पार्टी ने बुनियादी स्वतंत्रताओं को नष्ट किया और भारत के उस संविधान को कुचला जिसका हर भारतीय बहुत सम्मान करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केवल सत्ता से चिपके रहने के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने प्रत्येक लोकतांत्रिक सिद्धांत की अवहेलना की और राष्ट्र को कारागार बना दिया। उन्होंने कहा, जो भी व्यक्ति कांग्रेस से असहमत होता था, उसे प्रताड़ित किया जाता था। सबसे कमजोर वर्गों को निशाना बनाते हुए सामाजिक रूप से उन्हें नुकसान पहुंचाने वाली नीतियां शुरू की गईं।

साल 1975 में 25-26 जून की दरम्यानी रात से 21 मार्च 1977 तक (21 महीने के लिए) भारत में आपातकाल घोषित किया गया था।

तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कहने पर भारतीय संविधान की धारा 352 के अधीन आपातकाल की घोषणा की थी।

लोकसभा अध्यक्ष चुनाव में बिरला और सुरेश आमने- सामने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यदि विपक्ष को उपाध्यक्ष पद दिया जाता है तो वह लोकसभा अध्यक्ष के पद के लिए सत्ता पक्ष के साथ सर्वसम्मति के लिए तैयार है।

नई दिल्ली/एजेन्सी। लोकसभा अध्यक्ष के पद को लेकर सत्तारूढ जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी इंडी गठबंधन के बीच आम सहमति नहीं बनने से आजाद भारत के इतिहास में तीसरी बार लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव की स्थिति बन रही है जिसमें सत्ता पक्ष की ओर से पिछले अध्यक्ष ओम बिरला और विपक्ष की ओर से के सुरेश आमने-सामने हैं।

राजस्थान की कोटा संसदीय सीट से लगातार तीसरी बार जीतकर आये भारतीय जनता पार्टी के ओम बिरला ने सत्ता पक्ष की ओर से जबकि कांग्रेस के केरल से जीतकर आये आठ बार के सांसद सुरेश ने विपक्ष की ओर से नामांकन पत्र दायर किया है।

संसदीय परंपराओं के अनुसार लोकसभा अध्यक्ष को सर्वसम्मति से चुना जाता रहा है और यह पद सत्तापक्ष के पास रहता है जबकि उपाध्यक्ष पद अमूमन विपक्ष के पास रहता है। इसी परंपरा के तहत अठाहरवीं लोकसभा के लिए अध्यक्ष पद को लेकर सत्ता पक्ष की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष से सर्वसम्मति बनाने के बारे में बातचीत की थी लेकिन विपक्ष की ओर से इसके बदले में उपाध्यक्ष पद उसे दिये जाने की मांग की गयी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यदि विपक को उपाध्यक्ष पद दिया जाता है तो वह लोकसभा अध्यक्ष के पद के लिए सत्ता पक्ष के साथ सर्वसम्मति के लिए तैयार है। उन्होंने कहा , मुझे अखबारों के जरिए पता चला है कि प्रधानमंत्री ने विपक्ष से सरकार के साथ रचनात्मक सहयोग करने को कहा है। खड़गे जी को राजनाथ सिंह जी का फोन आया था जिसमें उन्होंने स्पीकर का समर्थन करने को कहा था। पूरे विपक्ष ने कहा कि हम सत्ता पक्ष का समर्थन करेंगे लेकिन परंपरा यह है कि उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष की ओर से अभी इस बारे में कोई बात नहीं की गयी है।

सेंसेक्स ने लांघा 78,000 अंक का स्तर, निफ्टी भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर

मुंबई/भाषा। एशियाई बाजारों के मजबूत रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सहित बड़ी कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से मंगलवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स ने पहली बार ऐतिहासिक 78,000 अंक के स्तर को पार किया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 712.44 अंक या 0.92 प्रतिशत उछलकर 78,053.52 अंक पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान सेंसेक्स 823.63 अंक या एक प्रतिशत बढ़कर 78,164.71 अंक के नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था। निफ्टी 183.45 अंक या 0.78 प्रतिशत बढ़कर 23,721.30 के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 216.3 अंक या 0.91 प्रतिशत चढ़कर 23,754.15 अंक पर पहुंच गया था।

तमिलनाडु सरकार जनवरी 2026 तक विभागों में 75,000 रिक्तियों को भरेगी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु सरकार जनवरी 2026 तक विभिन्न सरकारी विभागों में लगभग 75,000 रिक्तियों को भरेगी। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को विधानसभा को सूचित किया। उन्होंने लोगों, खासकर युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की। इससे साफ है कि सरकार ने राज्य में अगले विधानसभा चुनाव से पहले अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 18 माह की समय सीमा तय की है।

विधानसभा में नियम 110 के तहत बयान देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 18 माह के भीतर लगभग 17,595 रिक्तियां तमिलनाडु लोक सेवा आयोग के माध्यम से, 19,260 पद तमिलनाडु शिक्षक भर्ती बोर्ड के माध्यम से, 3,041 पद चिकित्सा सेवा भर्ती बोर्ड के माध्यम से और 6,688 पद तमिलनाडु यूनिफॉर्म सेवा भर्ती बोर्ड के माध्यम से भरे जाएंगे। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण, नगर प्रशासन और जल आपूर्ति विभागों में 30,219 रिक्तियां भी भरी जाएंगी।

मुलाकात

पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद को लेकर भारत-चीन संबंधों में जारी तनाव के बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंधों में स्थिरता लाने एवं इसमें प्रगति के ''साझा हित'' पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मंगलवार को चीनी राजदूत शु फेइहोंग से मुलाकात की। जयशंकर ने न्यूजीलैंड और श्रीलंका के दूतों से भी अलग-अलग मुलाकात की। विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज शाम चीन के राजदूत शु फेइहोंग से मुलाकात की। हमारे द्विपक्षीय संबंधों में स्थिरता लाने और इसमें प्रगति के 'साझा हित' पर चर्चा की। उन्हें सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।''

अठारहवीं लोकसभा : राहुल, अखिलेश, बिरला और सुप्रिया सुले समेत कई सदस्यों ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को ओम बिरला, राहुल गांधी, अखिलेश यादव, सुप्रिया सुले, सुदीप बंदोपाध्याय, अभिषेक बनर्जी, असदुद्दीन ओवैसी और संबित पात्रा समेत अनेक नवनिर्वाचित सदस्यों ने निचले सदन की सदस्यता की शपथ ली। कांग्रेस सदस्य राहुल गांधी ने अंग्रेजी में शपथ ली। शपथ के वक्त उनके हाथ में संविधान की प्रति थी। उन्होंने शपथ लेने के बाद पोडियम से 'जय हिंद, जय संविधान' के नारे लगाये।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी लोकसभा की सदस्यता की शपथ ली। उत्तर प्रदेश के कन्नौज से निचले सदन के लिए निर्वाचित यादव ने भी शपथ के वक्त अपने हाथ में संविधान की प्रति ले रखी थी। अखिलेश यादव के अलावा उनकी पत्नी एवं मैनपुरी की नवनिर्वाचित सदस्य डिंपल यादव ने भी शपथ ली।

अखिलेश यादव ने जब शपथ ली तो विपक्ष के सदस्यों ने मेज थपथपाकर खुशी का इजहार किया। धारावाहिक रामायण में भगवान राम के किरदार से मशहूर हुए मेरठ के नवनिर्वाचित भाजपा सांसद अरुण गोविल और मथुरा से पुन: सांसद निर्वाचित हुईं भाजपा सदस्य हेमा मालिनी ने भी लोकसभा की सदस्यता ग्रहण की।

सदन में भोजनावकाश से पहले पंजाब के सदस्यों को जब शपथ दिलाई जा रही थी, उस दौरान लोकसभा महासचिव ने डिब्रूगढ़ की जेल में बंद कथित खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह का नाम शपथ लेने के लिए पुकारा। हालांकि खडूर साहिब सीट से निर्वाचित हुए सिंह सदन में उपस्थित नहीं थे।

हाथ में संविधान की प्रति लेकर राहुल ने ली शपथ

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ली और इस दौरान उन्होंने अपने हाथ में संविधान की प्रति ले रखी थी। राहुल गांधी ने अंग्रेजी भाषा में शपथ ली। शपथ के बाद उन्होंने 'जय हिंद, जय संविधान' का नारा भी लगाया। राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। शपथ के लिए जब राहुल गांधी का नाम पुकारा गया तो कांग्रेस के सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और 'जोड़ो जोड़ो, भारत जोड़ो' के नारे लगाने लगे।

'रामायण के राम' ने ली संस्कृत में शपथ

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश के मेरठ संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अरुण गोविल ने मंगलवार को लोकसभा की सदस्यता की शपथ संस्कृत भाषा में ली। जब शपथ के लिए अरुण गोविल का नाम पुकारा गया तो सत्तापक्ष के कुछ सदस्यों ने 'जय श्री राम' का नारा लगाया। गोविल ने टेलीविजन के मशहूर धारावाहिक 'रामायण' में भगवान राम की भूमिका निभाई थी। गौतमबुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित भाजपा सांसद महेश शर्मा ने भी संस्कृत में शपथ ली।

एक खास परिवार को सत्ता में बनाए रखने के लिए

कांग्रेस ने संविधान की भावना को कई बार कुचला : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ देश में लोकतंत्र की हत्या और उस पर बार-बार आघात करने का कांग्रेस का लंबा इतिहास रहा है।

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश में आपातकाल लगाने के लिए मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि विपक्षी दल ने 'एक खास परिवार को सत्ता में बनाए रखने' के लिए संविधान की भावना को कई बार कुचला।

साल 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल के 49 साल पूरे होने के मौके पर शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें पार्टी का 'युवराज' करार दिया और कहा कि वह भूल गए हैं कि उनकी दादी इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया था और उनके पिता राजीव गांधी ने संसद में 23 जुलाई 1985 को कहा था कि आपातकाल में कुछ भी गलत नहीं था। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''एक खास परिवार को सत्ता में बनाए रखने के लिये कांग्रेस ने हमारे संविधान की भावना को कई बार कुचला। इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान भारत के लोगों पर निर्मम अत्याचार किए।'' उन्होंने कहा, ''राजीव गांधी ने तो यहां तक कहा था, अगर इस देश का कोई प्रधानमंत्री जो यह महसूस करता है कि इन परिस्थितियों में आपातकाल जरूरी है और फिर वह आपातकाल लागू नहीं करता है, तो वह इस देश का प्रधानमंत्री बनने के योग्य नहीं है। तानाशाही कृत्य पर गर्व करना यह दिखाता है कि कांग्रेस के लिए परिवार और सत्ता के अलावा कुछ भी प्रिय नहीं है।''

शाह ने इससे पहले एक अलग पोस्ट में कहा, ''देश में लोकतंत्र की हत्या और उस पर बार-बार आघात करने का कांग्रेस का लंबा इतिहास रहा है। साल 1975 में आज के ही दिन कांग्रेस द्वारा लगाया गया आपातकाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।'' उन्होंने कहा कि अहंकार में डूबी, निरंकुश कांग्रेस सरकार ने एक परिवार के सत्ता सुख के लिए 21 महीनों तक देश में सभी प्रकार के नागरिक अधिकार निलंबित कर दिए थे, मीडिया पर सेंसरशिप लगा दी थी।

प्रधानमंत्री मोदी की अगले महीने मॉस्को यात्रा की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं रूस और भारत

नई दिल्ली/भाषा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ व्यापक बातचीत करने के लिए जुलाई की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मॉस्को की संक्षिप्त यात्रा की संभावना पर भारत और रूस विचार कर रहे हैं। राजनयिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अगर दौरा होता है तो करीब पांच वर्षों में भारतीय प्रधानमंत्री का यह पहला रूस दौरा होगा। मोदी ने सितंबर 2019 में आर्थिक संगोष्ठी में हिस्सा लेने के लिए रूस के सुदूर पूर्वी शहर व्लादिवोस्तोक का दौरा किया था।

भारत की ओर से मोदी के संभावित दौरे को लेकर किसी प्रकार की कोई पुष्टि नहीं की गयी है। लेकिन क्रेमलिन के एक अधिकारी ने बताया कि मोदी के रूस दौरे को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। रूसी राष्ट्रपति के सहायक यूरी उशाकोव ने कहा ''मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हम भारतीय प्रधानमंत्री के दौरे की तैयारियां कर रहे हैं। हम तरीख नहीं बता सकते हैं क्योंकि इसकी घोषणा सहमति बनने के बाद पक्षकारों द्वारा की जाती है।'' एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''लेकिन हम जोरशोर से तैयारी कर रहे हैं। मैं एक बार फिर जोर देकर कहना चाहता हूं कि यह दौरा होगा।''

भारत के साथ व्यापक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत जारीः ऑस्ट्रेलियाई उप उच्चायुक्त

कोलकाता/भाषा। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उप-उच्चायुक्त निकोलस मैकेफ्री ने मंगलवार को कहा कि भारत के साथ व्यापक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करने के लिए बातचीत का सिलसिला जारी है। मैकेफ्री ने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक कार्यक्रम में कहा कि भारत के साथ इस समय आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (ईसीटीए) लागू है लेकिन ऑस्ट्रेलिया इसका दायरा एवं प्रभाव बढ़ाने के लिए इसे उन्नत रूप देना चाहता है। उन्होंने कहा, ''लोकसभा चुनाव खत्म हो जाने पर ऑस्ट्रेलिया भारत के साथ एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौता करने के लिए भारतीय अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहा है।'' उन्होंने दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि पर जोर देते हुए कहा कि पिछले दशक में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 26 अरब डॉलर हो गया है। मैकेफ्री ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक संबंध एक दूसरे की पूरक भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानों की बढ़ती संख्या मजबूत संबंधों का सबूत है।

चार माओवादी समर्थक गिरफ्तार

मानपुर (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ के मानपुर जिले में ग्राम पंचायत के एक सचिव समेत चार माओवादी समर्थकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से नक्सलियों का एक ट्रैक्टर भी जब्त किया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राजनांदगांव क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा ने संवाददाताओं को बताया कि मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी (एमएमएसी) जिले से पकड़े गए लोगों की पहचान महेश मेश्राम (45), अरविंद तुलावी (30), रामकिशन यादव (50) और सुशील साहू (54) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि नक्सलियों का ट्रैक्टर तुलावी से बरामद किया गया। झा ने बताया, इस संबंध में जानकारी मिलने के बाद जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के एक संयुक्त दल ने तुलावी के घर पर छापा मारा और उसे हिरासत में ले लिया।

नागपुर हवाई अड्डे को 24 घंटे में दूसरी बार बम होने की झूठी धमकी मिली

नागपुर/भाषा। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को मंगलवार तड़के 24 घंटे में दूसरी बार बम की धमकी मिली, लेकिन तलाशी के दौरान कुछ भी नहीं मिला। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। हवाई अड्डे के अधिकारी ने बताया कि आधी रात के कुछ देर बाद शौचालय में बम होने का ईमेल मिला था। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को सोमवार सुबह भी इसी तरह का धमकी भरा ईमेल मिला था। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने हवाई अड्डे पर तलाशी ली पर कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। देश के जिन 40 से अधिक हवाई अड्डों को 18 जून को बम होने की झूठी धमकी मिली थी उनमें नागपुर हवाई अड्डा भी शामिल था।

पीएलआई योजना के दायरे में परिधान क्षेत्र को भी लाने पर विचारः कपड़ा मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पीएलआई योजना के दायरे में परिधान क्षेत्र को भी लाने पर विचारः कपड़ा मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को कहा कि सरकार कपड़ा उद्योग के लिए स्वीकृत 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन' (पीएलआई) योजना का विस्तार परिधान क्षेत्र तक करने पर भी विचार कर रही है।

सिंह ने यहां 'भारत अंतरराष्ट्रीय परिधान मेला' (आईआईजीएफ) को संबोधित करते हुए कहा कि कपड़ा निर्यात बढ़ाने के लिए अपार अवसर हैं और उद्योग को आने वाले वर्षों में 50 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के निर्यात का लक्ष्य रखना चाहिए। सरकार ने वर्ष 2021 में मानव-निर्मित रेशे (एमएमएफ) से बने परिधान, एमएमएफ कपड़े और तकनीकी वस्त्रों के उत्पादों का घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए पांच साल की अवधि में 10,683 करोड़ रुपये के स्वीकृत परिव्यय के साथ कपड़ा क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना को मंजूरी दी थी।

सिंह ने कहा, ''हम आपके (परिधान) क्षेत्र को भी इस योजना के दायरे में लाने पर विचार कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि भारतीय कपड़ा उद्योग का बाजार लगभग 165 अरब डॉलर का है और इसे 350 अरब डॉलर तक ले जाना है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय इस क्षेत्र में चीन से आगे निकलने के लिए एक रूपरेखा तैयार कर रहा है। मंत्री ने उद्योग को घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 'हब और स्पोक' मॉडल को अपनाने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा, ''मैं उद्योग की बड़ी कंपनियों से भारत में छोटी कंपनियों के साथ जुड़ाव कायम करने की अपील करता हूं। मंत्रालय उनके मुद्दों को समझने के लिए बड़ी कंपनियों के साथ बैठकें करेगा।''

उन्होंने ई-कॉमर्स माध्यम से निर्यात बढ़ाने के अवसर तलाशने का भी आह्वान किया। पिछले साल ई-कॉमर्स के जरिये अंतरराष्ट्रीय व्यापार करीब 800 अरब डॉलर का था और 2030 तक इसके 2,000 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। इसके साथ ही कपड़ा मंत्री ने उद्योग को वैश्विक ब्रांड का आपूर्तिकर्ता बनने के बजाय अपने खुद के ब्रांड स्थापित करने का सुझाव दिया। उन्होंने हरित वस्त्र और पुनर्चक्रण पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह भी दी।

उद्योग जगत ने बजट में कर कटौती, शुल्क ढांचे को युक्तिसंगत बनाने की मांग रखी

नई दिल्ली/भाषा। अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों ने वित्त मंत्री सीतारमण से अप्रत्यक्ष करों के बोझ को कम करने और जरूरी होने पर शुल्क ढांचे को युक्तिसंगत बनाने का आग्रह किया। वित्त मंत्री के साथ उद्योग जगत के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की बजट-पूर्व परामर्श बैठक लगभग दो घंटे तक चली। इसमें प्रतिनिधियों ने अपने-अपने उद्योगों के बारे में सरकार से बजट में जरूरी प्रावधान किए जाने की मांग रखी। निर्यातकों के संगठन फियो के अध्यक्ष अश्वनी कुमार ने वित्त मंत्री से ब्याज समानीकरण योजना को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाने का अनुरोध भी किया। यह योजना 30 जून, 2024 तक वैध है। कुमार ने कहा, ''हम इस योजना को पांच साल के लिए बढ़ाने का अनुरोध करते हैं। बीते दो साल में रेपो दर 4.4% से बढ़कर 6.5% हो जाने से ब्याज दरें बढ़ गई हैं। ऐसी स्थिति में एमएसएमई क्षेत्र के निर्माताओं के लिए छूट दरों को 3% से 5% तक बहाल किया जा सकता है।'' कुमार ने विदेशी मालवहन पर निर्भरता कम करने और विदेशी मुद्रा बचाने के लिए वैश्विक ख्याति वाली भारतीय पोत परिवहन लाइन की स्थापना का भी आग्रह किया।

विधानसभा अध्यक्ष मुझे नेता प्रतिपक्ष के तौर पर मान्यता दें : जगनमोहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती (आंध्र प्रदेश)/भाषा। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को राज्य विधानसभा अध्यक्ष सी. अय्याना पात्रुडु से उन्हें नेता प्रतिपक्ष और उनकी पार्टी को मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया। रेड्डी ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर यह अनुरोध किया।

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी द्वारा 'पीटीआई-भाषा'से साझा किए गए पत्र में रेड्डी ने कहा, ''कानून बाध्य करता है कि विपक्ष में जिस भी दल को सबसे अधिक सीट मिली है, उसे मुख्य विपक्षी दल के तौर पर मान्यता दी जानी चाहिए।'' उन्होंने दावा किया कि कोई कानून नहीं कहता कि मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा देने के लिए विधानसभा के कुल सदस्यों में से कम से कम 10 प्रतिशत उसके सदस्य होने चाहिए। रेड्डी ने कहा कि इस परिपाटी का पालन संसद या राज्य विधानसभा में नहीं किया जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री के मुताबिक हाल में सभी मंत्रियों को विधानसभा सदस्य की शपथ दिलाने के बाद उन्हें सदन की सदस्यता का शपथ दिलाना परंपराओं के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनसेना ने तय कर लिया है कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं दिया जाए। रेड्डी ने कहा, ''सत्तारूढ़ गठबंधन और विधानसभा अध्यक्ष ने पहले ही मेरे प्रति अपने द्वेष को प्रकट कर दिया है। एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें विधानसभा अध्यक्ष मुझे पीट पीटकर मारने की बात कर रहे हैं।''

वाइएसआर कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष ने कहा, ''इस पृष्ठभूमि में मुझे नहीं लगता कि सदन में मुझे बोलने दिया जाएगा। मुख्य विपक्षी दल का दर्जा देने से ही हम जनता की आवाज सदन में उठाने में सक्षम होंगे।'' उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष ने इन परिस्थितियों पर गौर करने और निर्णय लेने का अनुरोध किया।

भारत में महंगाई से गांवों के लोग ज्यादा प्रभावितः एचएसबीसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कोविड महामारी के बाद आर्थिक पुनरुद्धार की दर जिस तरह अलग-अलग थी, उसी तरह भारत में मुद्रास्फीति की स्थिति भी है और इससे कुछ तबके अन्य के मुकाबले ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। विदेशी ब्रोकरेज कंपनी एचएसबीसी ने मंगलवार को यह बात कही।

एचएसबीसी के अर्थशास्त्रियों ने कहा कि शहरी उपभोक्ताओं के मुकाबले महंगाई से ग्रामीण उपभोक्ता ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने एक रिपोर्ट में कहा, ''जिस तरह अर्थव्यवस्था में 'के-आकार' का पुनरुद्धार (यानी कुछ क्षेत्रों में तेजी और कुछ में नरमी) देखने को मिला था, उसी प्रकार की स्थिति मुद्रास्फीति के मामले में दिख रही है।''

एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजल भंडारी ने रिपोर्ट में मौजूदा भीषण गर्मी का हवाला दिया है। यह बताता है कि एक तरफ जहां खाद्य वस्तुओं की महंगाई ऊंची है, वहीं मुख्य (कोर) मुद्रास्फीति में नरमी की स्थिति भी है। इसका कारण फसल को नुकसान और पशुधन मृत्यु दर है। मुख्य मुद्रास्फीति में खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों के प्रभाव को शामिल नहीं किया जाता। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने ईंधन की कीमतों में कटौती करके मदद का हाथ बढ़ाया है लेकिन आमतौर पर गांवों में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का उपयोग शहरों की तरह नहीं होता।

इसके कारण ग्रामीण मुद्रास्फीति शहरी की तुलना में अधिक है। इसमें कहा गया है कि खाद्य मुद्रास्फीति की स्थिति अधिक असमंजस वाली लगती है क्योंकि आदर्श रूप से हर किसी के मन में यह आएगा कि जब खाद्यान्न का उत्पादन गांवों में होता है तो फिर वहां शहरों में तुलना में महंगाई कम होनी चाहिए।

इसके कारण किसानों की आय को नुकसान हुआ है, वे शहरी खरीदारों को खाद्य पदार्थ बेचने के लिए अधिक प्रयास कर रहे हैं। इससे रिटर्न अधिक हो सकता है। लेकिन इसके कारण उनके क्षेत्रों में कम आपूर्ति रह जाती है जिससे कीमतें बढ़ जाती हैं। साथ ही शहरी क्षेत्रों में बंदरगाहों से खाने की मेज तक सामान पहुंचाने के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा है। इससे आयातित वस्तुओं की कीमतें कम करने में मदद मिलती है।

ब्रोकरेज कंपनी ने कहा कि अगर बारिश सामान्य होती है, संभवतः आरबीआई नीतिगत दर में जल्दी कटौती नहीं करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, ''अगर जुलाई और अगस्त में बारिश सामान्य नहीं होती है, तो गेहूं और दालों के कम भंडार को देखते हुए, 2024 में खाद्यान्न के मोर्चे पर स्थिति पिछले साल के मुकाबले खराब हो सकती है।''

बारिश जून में अबतक सामान्य से 17 प्रतिशत कम रही है और उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में 63 प्रतिशत कम बारिश हुई है जहां भारत का सबसे ज्यादा अनाज पैदा होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि बारिश सामान्य हो जाती है, तो मुद्रास्फीति में तेजी से कमी आ सकती है और आरबीआई नीतिगत दर में कटौती करने में सक्षम होगा और मार्च, 2025 तक इसमें 0.5 प्रतिशत की कमी हो सकती है।

स्पेक्ट्रम नीलामी के पहले दिन करीब 11,000 करोड़ रुपये की बोलियां लगीं

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार कंपनियों ने स्पेक्ट्रम नीलामी के पहले दिन मंगलवार को पांच दौर में करीब 11,000 करोड़ रुपये मूल्य की बोलियां लगाईं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सरकार 96,238 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य पर 10,500 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की नीलामी कर रही है। इसके लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं से बोलियां आमंत्रित की गई हैं। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा, ''दूरसंचार कंपनियों ने पहले दिन की स्पेक्ट्रम नीलामी में करीब 11,000 करोड़ रुपये की बोलियां लगाई हैं। नीलामी बुधवार को फिर शुरू होगी।''

दूरसंचार विभाग की तरफ से पहले दिन की नीलामी के बारे में जारी रिपोर्ट के मुताबिक, बोलियां मुख्य रूप से 900 और 1,800 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम के बैंड में लगाई गई हैं। इस नीलामी में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया शिरकत कर रही हैं। रिलायंस जियो ने स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए सबसे अधिक 3,000 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि जमा की है। इस आधार पर कंपनी अधिकतम रेडियो तरंगों के लिए बोली लगा सकती है। भारती एयरटेल ने 1,050 करोड़ रुपये और वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने 300 करोड़ रुपये की बयाना राशि जमा की है। आधिकारिक बयान के अनुसार, स्पेक्ट्रम नीलामी सुबह 10 बजे शुरू हुई और धीरे-धीरे इसके कुल पांच दौर आयोजित हुए। स्पेक्ट्रम की बिक्री प्रक्रिया 2010 में ऑनलाइन शुरू होने के बाद से यह 10वीं नीलामी है।

तेलंगाना में दफन किये जाने से पहले 'मृतक' व्यक्ति जिंदा पाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। एक मृत व्यक्ति की गलत पहचान के चलते तेलंगाना के विकाराबाद जिले में 'अंतिम संस्कार' के समय एक व्यक्ति के जीवित पाए जाने का मामला सामने आया है।

राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि यह घटना विकाराबाद जिले के नवंदगी गांव में हुई जहां 'मृतक' के परिजन उसे दफनाने की तैयारी कर रहे थे।

पेशे से दिहाड़ी मजदूर पी. येलप्पा (40) के परिवार के सदस्यों को उसकी मौत के बारे में सूचित किया गया था। एक शव के साथ येलप्पा का मोबाइल फोन पाया गया था जिसके बाद येलप्पा को मृत मान लिया गया था।

अधिकारी ने कहा कि जीआरपी कर्मियों को 22 जून की रात विकाराबाद रेलवे स्टेशन पर पटरियों पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला जिसका सिर कुचला हुआ था और पहचान से परे था।

दिल्ली जलसंकटः आतिशी अस्पताल में भर्ती, अनशन हुआ खत्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में पानी की कमी के बीच दिल्ली के लिए पानी छोड़ने की मांग को लेकर दिल्ली की जल मंत्री आतिशी का अनिश्चितकालीन अनशन मंगलवार तड़के उनकी सेहत बिगड़ने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराये की वजह से समाप्त हो गया।

दिल्ली सरकार में कई मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल रहीं आतिशी को लोक नायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल के आपातकालीन आईसीयू (सघन चिकित्सा इकाई) में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत अब स्थिर है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आतिशी के अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। साथ ही यह भी कहा, उन्हें जनता को गुमराह करना बंद करना चाहिए। आतिशी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देते हुए अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुरेश कुमार ने कहा कि उनकी हालत स्थिर है, लेकिन वह आईसीयू में हैं।

वरिष्ठ चिकित्सक ने कहा, कल शाम को शर्करा स्तर गिरने और उनके मूत्र में कीटोन की मौजूदगी का पता चलने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी गई थी। उन्होंने अस्पताल में भर्ती होने से इनकार कर दिया था। हालांकि, आधी रात को उनकी हालत बिगड़ने लगी और उन्हें सुस्ती आने लगी, जिसके बाद उन्हें भर्ती कराया गया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है और उन्हें आईसीयू में रखा गया है। उनके खून की जांच की जा रही है।

चिकित्सक ने बताया कि उन्हें पानी दिया जा रहा है और वह अंतःशिरा उपचार (इन्ट्रावेनस थेरेपी) पर हैं। उनका शर्करा स्तर कम होकर 36एमजी/डीएल पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा, मस्तिष्क की कोशिकाओं को ग्लूकोज की आवश्यकता होती है और यदि ग्लूकोज उस तक नहीं पहुंचता है, तो यह सुस्ती और बेहोशी का कारण बनता है। यदि समय पर चिकित्सा मुहैया नहीं करायी जाए तो, रोगी 'हाइपोग्लाइसेमिक कोमा' में जा सकता है। रक्त शर्करा के स्तर में गिरावट से कई अंग काम करना बंद कर सकते हैं। समय पर समाधान नहीं होने पर हाइपोग्लाइसीमिया मस्तिष्क की कोशिकाओं और अन्य अंगों के लिए एक चिकित्सा आपातकाल है। रक्त में सामान्य शर्करा का स्तर 70 एमजी/डीएल और 100 एमजी/डीएल के बीच होना चाहिए। आतिशी ने अनशन 21 जून से शुरू किया था। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि मंत्री ने अस्पताल में भर्ती होने के बाद अपना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त कर दिया।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, सिनोप्सिस ने धोलेरा सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए गठजोड़ किया

नई दिल्ली/भाषा। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने मंगलवार को कहा कि उसने धोलेरा में स्थापित किए जा रहे अपने सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए अमेरिका की सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी सिनोप्सिस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह समझौता प्रोसेस टेक्नोलॉजी और फाउंड्री डिजाइन मंच के लिए है।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स गुजरात के धोलेरा में 91,000 करोड़ रुपये के कुल निवेश से सेमीकंडक्टर वेफर फैब्रिकेशन संयंत्र का निर्माण कर रही है।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रणधीर ठाकुर ने कहा, ''हम सिनोप्सिस को सेमीकंडक्टर डिजाइन और सेवाओं में उनकी विशेषज्ञता के कारण अपनी यात्रा में एक प्रमुख भागीदार और प्रेरक के रूप में देखते हैं।''

परिधान क्षमता को एक-तिहाई बढ़ाने में जुटी रेमंड : सिंघानिया

नई दिल्ली/भाषा। अग्रणी परिधान विनिर्माता रेमंड अपनी क्षमता में एक-तिहाई का विस्तार कर रही है, जिससे वह दुनिया में सूट की तीसरी बड़ी उत्पादक बन जाएगी और वैश्विक बाजार में स्थिति मजबूत करने में भी मदद मिलेगी। कंपनी नए बाजारों के लिए अपने उत्पादों की शृंखला का विस्तार करेगी और ग्राहकों की संख्या बढ़ाने पर भी काम कर रही है। उसके कारोबार में महिला परिधानों की सिलाई और महंगे दाम वाले 'कैजुअल' कपड़े भी शामिल हैं।

रेमंड की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में इसका उल्लेख किया गया है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक गौतम हरि सिंघानिया ने कंपनी के शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल के साथ भी पूरी तरह मेल खाता है। उन्होंने कहा, ''विनिर्माण के केंद्र के रूप में वैश्विक कंपनियों की चीन प्लस वन रणनीति हमारे पक्ष में काम करती हुई नजर आ रही है। भारत एक पसंदीदा सोर्सिंग गंतव्य बना हुआ है।'' सिंघानिया ने कहा कि रेमंड अपनी मौजूदा परिधान क्षमता को एक-तिहाई तक बढ़ा रही है। उन्होंने कहा, ''जब विस्तारित क्षमता पूरी तरह से चालू हो जाएगी, तो रेमंड दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी सूट निर्माता कंपनी बन जाएगी।''

इस मौके पर रेमंड के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) अमित अग्रवाल ने कहा कि यह क्षमता विस्तार न केवल रेमंड की वैश्विक उपस्थिति को मजबूत करता है, बल्कि घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को भी बढ़ाता है।

परीक्षा सुधारों पर केंद्र की समिति अभिभावकों, छात्रों के साथ बातचीत करेगी

नई दिल्ली/भाषा। प्रतियोगी परीक्षाएं 'नीट' और 'नेट' में कथित गड़बड़ी को लेकर उपजे विवाद के बीच, परीक्षा सुधारों पर शिक्षा मंत्रालय की समिति परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी चिंताओं और चुनौतियों को समझने के लिए अभिभावकों एवं छात्रों के साथ बातचीत करेगी।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख आर. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय समिति ने अपनी पहली बैठक सोमवार शाम को की।

राधाकृष्णन ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, ''हमारी पहली प्राथमिकता देशभर के छात्रों और अभिभावकों से उनकी चिंताओं और सुझावों को जानना है। जहां तक संभव हो व्यक्तिगत रूप से या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से उनसे जुड़ने जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारे लिए अगली प्राथमिकता परीक्षा शुरू करने के लिए शीघ्रता से एक मजबूत प्रणाली बनाना है। हम भविष्य को ध्यान में रख रहे हैं। विशेष रूप से देश में एक मजबूत प्रणाली, त्रुटिरहित प्रणाली और एक ऐसी प्रणाली विकसित करने पर गौर कर रहे हैं जो छात्रों की परेशानी और तनाव को कम करेगा।''

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 2030 तक दो लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा अदाणी समूह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। अदाणी समूह 40,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता सृजित करने के लिए 2030 तक लगभग दो लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। समूह ने 2050 तक अपनी सभी कंपनियों में कार्बन उत्सर्जन शुद्ध रूप से शून्य स्तर पर लाने का लक्ष्य रखा है और नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर उसी दिशा में कदम है।

विभिन्न कारोबार क्षेत्रों से जुड़े समूह की वर्तमान में सौर और पवन ऊर्जा समेत नवीकरणीय स्रोतों से बिजली उत्पादन की क्षमता 10,000 मेगावाट से अधिक है। समूह 2030 तक 50,000 मेगावाट क्षमता तक पहुंचने के लिए हर साल 6,000 से 7,000-मेगावाट क्षमता जोड़ने पर ध्यान दे रहा है।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. (एजीईएल) के कार्यकारी निदेशक सागर अडाणी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''प्रति मेगावाट पांच करोड़ रुपये के हिसाब से निवेश 2030 तक दो लाख करोड़ रुपये के दायरे में हो सकता है।'' कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमित सिंह ने कहा कि कंपनी रात के दौरान अधिकतम बिजली की मांग को ध्यान में रखते हुए 5,000 मेगवाट क्षमता की पंप स्टोरेज क्षमता भी तैयार करेगी। इसका कारण रात में सूर्य की रोशनी उपलब्ध नहीं होती और हवा की तीव्रता इतनी नहीं होती है कि बिजली पैदा करने के लिए पवन चक्की को चालू किया जा सके। कार्बन क्रेडिट के साथ नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता और कुछ अन्य उपायों के साथ, समूह को 2050 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन हासिल करने में मदद मिलेगी।'' सिंह ने कहा कि अदाणी ग्रीन एनर्जी ने बीते वित्त वर्ष 2023-24 में 2,800 मेगावाट क्षमता जोड़ी है। यह देश में साल के दौरान सृजित कुल उत्पादन क्षमता का 15 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, ''इस साल हमारा लक्ष्य 6,000 मेगावाट है।'' अडाणी ने कहा कि आने वाले समय में हर साल इतनी या इससे ज्यादा क्षमता वृद्धि की संभावना है। कुल 50,000 मेगावाट क्षमता का 80 प्रतिशत सौर और बाकी पवन ऊर्जा से आएगा। समूह सौर पैनल और पवन चक्की में उपयोग किए जाने वाले वेफर्स बनाने के लिए कारखाने भी लगा रहा है। सिंह ने कहा कि समूह अब कम हवा की गति वाले क्षेत्रों के लिए तीन मेगावाट की पवन चक्की बनाने पर विचार कर रहा है।

रेणुकास्वामी के माता-पिता ने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया से मुलाकात की, पुत्रवधू के लिए सरकारी नौकरी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में हाल ही में मारे गए रेणुकास्वामी के माता-पिता ने मंगलवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया से मुलाकात की और अपने बेटे की हत्या के मामले की चल रही जांच पर संतोष जताया। माता-पिता ने रेणुकास्वामी की गर्भवती पत्नी के लिए मुख्यमंत्री से सरकारी नौकरी देने की भी मांग की। कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगूदीप, रेणुकास्वामी की हत्या के मामले में आरोपी है। इस मामले में दर्शन के अलावा उसकी दोस्त पवित्रा गौड़ा समेत कुल 17 लोग आरोपी हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, अभिनेता के प्रसंशक रेणुकास्वामी (33) ने पवित्रा को अश्लील संदेश भेज दिया, इस पर दर्शन नाराज हो गये थे, जिसके बाद रेणुकास्वामी की हत्या कर दी गयी। रेणुकास्वामी का शव नौ जून को यहां सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के बगल में एक नाले के पास मिला था।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि रेणुकास्वामी के माता-पिता द्वारा अपनी पुत्रवधू के लिए सरकारी नौकरी के संबंध में किए गए अनुरोध पर उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। दर्शन एवं अन्य आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

यौन उत्पीड़न के मामले में पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ एक और प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न, पीछा करने और आपराधिक धमकी के आरोप में एक और प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रेवन्ना के साथ-साथ हासन से भाजपा के विधायक रह चुके प्रीतम गौड़ा समेत तीन अन्य लोगों के नाम भी इस प्राथमिकी में हैं। इन सभी लोगों पर पीड़िता के यौन उत्पीड़न के दौरान प्रज्ज्वल द्वारा खींची गई तस्वीरों को वीडियो कॉल पर साझा करने का आरोप है। ताजा मामले के साथ ही अब इस मामले में, प्रज्ज्वल के खिलाफ यह चौथा मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के एक सूत्र ने 'पीटीटाई-भाषा' को पुष्टि की कि, ''प्रज्ज्वल एवं तीन अन्य लोगों के खिलाफ विशेष जांच दल (एसआईटी) ने ताजा प्राथमिकी दर्ज की है। प्राथमिकी में भाजपा के पूर्व विधायक प्रीतम गौड़ा का नाम भी शामिल है।'' सूत्रों ने बताया कि यह मामला भारतीय दंड विधान की धारा 355 ए, 354 बी, 354 डी तथा 506 एवं सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 ई के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूर्व सांसद प्रज्ज्वल फिलहाल पुलिस की हिरासत में है। इससे पहले, रेवन्ना को यौन उत्पीड़न के मामले में एक बार फिर से पुलिस की हिरासत में भेज दिया गया। पूर्व सांसद की पुलिस रिमांड की अवधि 29 जून तक बढ़ायी गयी है। प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ कई महिलाओं का यौन शोषण करने और उनकी अश्लील वीडियो बनाने का आरोप है।

सूत्रों ने बताया कि पीड़ितों के वीडियो रिकॉर्ड करने के लिए सीआईडी साइबर अपराध मामले में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल की पुलिस हिरासत 29 जून तक बढ़ा दी गई है। प्रज्ज्वल (33) को 31 मई को जर्मनी से लौटने के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया था।

सनातन धर्म पर टिप्पणी मामले में उदयनिधि स्टालिन को कोर्ट से मिली बेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु की विशेष अदालत ने मंगलवार को तमिलनाडु के युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन को एक लाख रुपये के मुचलके के साथ सशर्त जमानत दे दी। वह सनातन धर्म पर टिप्पणी को लेकर दर्ज केस के मामले में कोर्ट में पेश हुए थे। अदालत ने सनातन धर्म पर अपमानजनक टिप्पणी के संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता वी. परमेशा की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर उदयनिधि स्टालिन को पेश होने का आदेश दिया था।

उदयनिधि स्टालिन मंगलवार सुबह अदालत में पेश हुए। अदालत ने उदयनिधि स्टालिन को मामले की आगे की कार्यवाही में उपस्थित होने से भी छूट दे दी है। इस मामले को सुप्रीम कोर्ट भी देख रहा है। इसलिए विशेष अदालत ने मामले की सुनवाई 8 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी।

शिकायतकर्ता ने दावा किया कि उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणियों से उनका, उनके धर्म और हिंदू धर्म के लोगों का अपमान हुआ है। अदालत ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 153ए, 298 और 500 (मानहानि) के तहत अपराधों का संज्ञान लिया था।

उदयनिधि स्टालिन ने सितंबर 2023 में एक सम्मेलन को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि सनातन धर्म सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ है और इसे 'उन्मूलन' (समाप्त) किया जाना चाहिए। उनके इस बयान से राष्ट्रीय स्तर पर विवाद खड़ा हो गया था।

नंदिनी दूध आज से दो रुपये महंगा होगा, दाम में वृद्धि पर सरकार और विपक्ष में वाकयुद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक दुग्ध फेडरेशन (केएमएफ) ने मंगलवार को दूध के दामों में 26 जून से वृद्धि करने की घोषणा की जिसके बाद विपक्ष ने सरकार को मूल्यवृद्धि के लिए जिम्मेदार ठहराया जबकि सिद्दरामैया की अगुवाई वाले प्रशासन ने कहा कि उसका केएमएफ के स्वतंत्र निर्णय से कोई लेना-देना नहीं है। अभी कुछ दिन पहले कर्नाटक सरकार ने ईंधन पर बिक्रीकर बढ़ा दिया था जिससे राज्य में पेट्रोल प्रति लीटर तीन रुपये एवं डीजल साढ़े तीन रुपया महंगा हो गया। केएमएफ ने कहा कि इस मूल्यवद्धि के साथ वह आधे और एक लीटर की थैलियों में 50 मिलीलीटर मात्रा भी बढ़ायेगी।

केएमएफ ने एक बयान में कहा, चूंकि वर्तमान में फसल कटाई का मौसम है, इसलिए सभी जिला दुग्ध संघों के पास दूध का भंडारण प्रतिदिन बढ़ रहा है और वर्तमान भंडारण लगभग एक करोड़ लीटर है। इसे देखते हुए, हर थैली की कीमत में दो रुपये की वृद्धि की जा रही है तथा उपभोक्ताओं को हर आधा लीटर (500 मिलीलीटर) और एक लीटर (1000 मिलीलीटर) की थैली में 50 मिलीलीटर अतिरिक्त दूध दिया जा रहा है।

फिलहाल नंदनी की 500 मिली लीटर दूध की थैली का दाम 22 रुपये है । इस वृद्धि के बाद अब 550 मिलीलीटर की थैली 24 रुपये में मिलेगी। इसी तरह 1000 मिलीलीटर दूध की थैली 42 रुपये

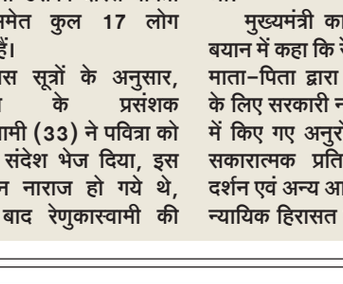

में मिल रही थी, लेकिन अब 44 रुपये में 1050 मिलीलीटर दूध की थैली मिलेगी। नंदिनी ब्रांड के दूध की अन्य श्रेणियों के दाम भी बढ़ जायेंगे। दूध का दाम बढ़ाने के फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया आयी है। विपक्षी दलों ने इस विषय पर कांग्रेस की अगुवाई वाली सिद्दरामैया सरकार पर निशाना साधा है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सफाई दी है कि दूध के दाम सरकार ने नहीं, बल्कि केएमएफ ने बढ़ाये हैं। उन्होंने यहां कहा, मुझे नहीं पता है, मैं उनसे (केएमएफ से) बात करूंगा.... दूध के दाम सरकार द्वारा नहीं, बल्कि केएमएफ द्वारा बढ़ाये जाते हैं। अन्य राज्यों की स्थिति की तुलना में और जहां तक मैं जानता हूं कि हमारे राज्य में दूध के दाम कम हैं।''

मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने आरोप लगाया कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने 'आपातकाल की बरसी मनाने के लिए' दूध के दाम में वृद्धि कर दी। उन्होंने मुख्यमंत्री पर अपनी टिप्पणी केंद्रित करते हुए कहा, ''यदि आप में गरीबों और मध्यमवर्गीय लोगों के प्रति रत्तीभर भी अनुराग है तो आप दूध के मूल्य में वृद्धि को तत्काल वापस लीजिए।''

अशोक ने कहा, ''सत्ता में आने के महज 13 महीनों में ही आपने दूध के दाम बढ़ा दिये हैं। पिछले साल अगस्त में दूध के दाम में तीन रुपये की वृद्धि की गयी थी और अब उसमें दो रुपये की बढ़ोत्तरी की गयी है।'' उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''राज्य में गरीब और मध्यम वर्ग के लोग पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि एवं सब्जियों के आसमान छूते मूल्यों के कारण पहले से परेशान हैं। ऐसी स्थिति में आपने उनपर और बोझ डाल दिया है।''

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि दूध के दाम बढ़ाने के इस नवीनतम फैसले से गरीब बुरी तरह प्रभावित होंगे। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, लोकसभा चुनाव के शीघ्र बाद नुकसान का बदला लेने के लिए कांग्रेस विधायकों की ओर से गारंटियों को वापस लेने की मांग की जा रही थी। अंतत: यही वह तरीका है जिससे सरकार उसके खिलाफ वोट देने के लिए गरीब नागरिकों से बदला ले रही है।

जनता दल सेकुलर ने भी इस कदम की आलोचना की और व्यंग्य किया कि आपातकाल की 'स्वर्णजयंती' पर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने लोगों को 'बंपर उपहार' दिया है।

केएमएफ ने बयान में कहा, डेयरी उद्योग में कर्नाटक को-ऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स महामंडल देश में दूसरा सबसे बड़ा महामंडल है.... केएमएफ पिछले पांच दशकों से अपने सदस्य दुग्ध संघों के माध्यम से राज्य के 27 लाख से अधिक डेयरी किसानों से दूध खरीद रहा है, उसका प्रसंस्करण कर रहा है एवं 'नंदिनी' ब्रांड नाम से उत्तम गुणवत्ता का दूध एवं दुग्ध उत्पाद पेश कर रहा है।

आपातकाल के योद्धा का सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। देश में लगे आपातकाल स्थिति के समय लोकतंत्र की लड़ाई लड़ने वाले नरहरि से मंगलवार को श्रीरामपुरम् के अयप्पा स्वामी मंदिर के पास उनके निवास पर तमिलनाडु के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलाई ने मुलाकात की। इस मौके पर राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वत्थनारायण, भाजपा प्रॉक्सी के राज्य समन्वयक एस. दत्तात्री, विधान परिषद के पूर्व सदस्य रामचन्द्र गौड़ा, भाजपा बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरि गौड़ा सहित प्रमुख लोग उपस्थित थे।

कैंसर चिकित्सा के लिए 'रोबोटिक स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी' कार्यक्रम शुरु

अपोलो कैंसर सेंटर की एक्यूरे कम्पनी के साथ पहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्वास्थ्य चिकित्सा क्षेत्र में अग्रणी अपोलो कैंसर सेंटर (एसीसी) ने एक्यूरे कम्पनी के साथ मिलकर भारत में पहला रोबोटिक स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी कार्यक्रम शुरू किया गया। यह पहल चेन्नई और बेंगलूरु में एक साथ शुरु की गई है। इस कार्यक्रम में भारत और पूरे भारत उपमहाद्वीप के विकिरण ऑन्कोलॉजिस्ट, भौतिकविदों, विकिरण चिकित्सकों और प्रौद्योगिकीविदों को उन्नत रेडियोसर्जरी शैक्षिक प्रशिक्षण प्रदान करेगी। कार्यक्रम में रोबोटिक और स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी पर केंद्रित व्यापक चर्चा, प्रदर्शन और व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल हैं। यह पहल भारत के चिकित्सा क्षेत्र में एक आदर्श सिद्ध होगी। अपोलो हॉस्पिटल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के ऑन्कोलॉजी समूह अध्यक्ष दिनेश माधवन ने कहा कि कैंसर देखभाल के क्षेत्र में इस प्रकार की अत्याधुनिक तकनीकें अत्यधिक व्यक्तिगत और प्रभावी उपचार का मार्ग प्रशस्त करती हैं। अपोलो कैंसर सेंटर और एक्यूरे द्वारा रोबोटिक स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी कार्यक्रम की शुरुआत पूरे महाद्वीप के लिए इच्छुक प्रशिक्षण सुविधा भी उपलब्ध करा रहा है। यह ऑन्कोलॉजिस्ट, भौतिकविदों और चिकित्सकों को साइबरनाइफ तकनीक में नवीनतम का लाभ उठाने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण ज्ञान और कौशल से लैस करने में मदद करेगा।

साइबरनाइफ सिस्टम एक गैर-आक्रामक, रोबोटिक विकिरण चिकित्सा उपकरण है जिसे उच्च परिशुद्धता और आसपास के स्वस्थ ऊतकों को कम से कम नुकसान के साथ ट्यूमर का इलाज करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह विकिरण की अत्यधिक केंद्रित किरणों को वितरित करने के लिए उन्नत इमेजिंग और कम्प्यूटरीकृत रोबोटिक्स का उपयोग करता है, जिससे जटिल और कठिन से पहुंच वाले ट्यूमर का उपचार संभव हो पाता है। रोबोटिक रेडियोसर्जरी साइबरनाइफ के प्रमुख डॉ श्रीधर पीएस ने कहा, एसीसी में प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ रोबोटिक और स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी में कौशल और ज्ञान को बढ़ाने को एक सुनहरा अवसर है। भारत में साइबरनाइफ रोबोटिक रेडियो सर्जरी सिस्टम की शुरुआत करने और 5000 से ज़्यादा मरीज़ों पर किए सलाज का अनुभव करने के साथ इस कार्यक्रम में अपने ज्ञान साझा करेंगे। यह साइबरनाइफ प्रशिक्षण के ज़रिए कैंसर देखभाल के विकास में ऑन्कोलॉजिस्ट को और सक्षम बनाएगा। एक्यूरे के प्रतिनिधि ने बताया अपोलो केंद्रों में साइबरनाइफ एस7 सिस्टम अपनी बेजोड़ सटीकता के साथ उपचार नए मानकों को स्थापित करेंगा जिससे चिकित्सकों को परिणामों को अनुकूलित करने में मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त यह नई तकनीक 1 से 5 मिनट में विकिरण की उच्च खुराक देने में सक्षम बनाता है।

कर्नाटक में तीन और उपमुख्यमंत्री बनाने की मंत्रियों की मांग का उचित हल निकालेगी कांग्रेस : शिवकुमार

मंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक में तीन और उपमुख्यमंत्री के पद की मांग करने वाले मंत्रियों के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि पार्टी मंत्रियों की मांगों का उचित हल निकालेगी। शिवकुमार फिलहाल सिद्दरामैया नीत मंत्रिमंडल में एकमात्र उपमुख्यमंत्री हैं। शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय से ताल्लुक रखते हैं।

मंत्रिमंडल में शामिल कुछ मंत्री वीरशैव-लिंगायत, अनुसूचित जाति-अनूसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं को उपमुख्यमंत्री पद देने की वकालत कर रहे हैं। शिवकुमार ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, ''आप लोग (मीडिया) कोई कुछ भी कहता है, तो उसकी खबर बना देते हो। मैं उन लोगों को न क्यों कहूंगा जो खुश (खबरों में दिखाई देने वाले लोग) हैं। कोई कुछ भी मांग कर सकता है पार्टी उनका उचित जवाब देगी। यह सामान्य बात है।''

यह पूछे जाने पर कि क्या पार्टी की और उपमुख्यमंत्री बनाने की योजना है, जिसपर शिवकुमार ने कहा, ''आपको मल्लिकार्जुन खरगे (कांग्रेस अध्यक्ष) और हमारे प्रभारी महासचिव से मिलना चाहिए या फिर मुख्यमंत्री से पूछना चाहिए।'' कांग्रेस के भीतर एक गुट का मानना है कि मंत्रियों द्वारा तीन और उपमुख्यमंत्री पदों की मांग करना शिवकुमार की राज्य में पार्टी पर पकड़ को कमजोर करने की सिद्दरामैया खेमे की योजना का हिस्सा है।

अभिनेता दर्शन का प्रशंसक धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार

बेंगलूरु। कर्नाटक पुलिस ने मंगलवार को जेल में बंद कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन के एक प्रशंसक को फिल्म मेकर और एक्टर को धमकी देने के मामले में गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी को तमिलनाडु के कोयंबटूर से गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान चेतन के रूप में हुई है। पुलिस ने एक अन्य आरोपी नागेश की भी तलाश शुरू कर दी है, जो जेल में बंद एक्टर का कट्टर फैन है।

बेंगलूरु में बसवेश्वर नगर पुलिस ने अदालत के आदेश के अनुसार आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। आरोपी ने फिल्म मेकर उमापति गौड़ा और कन्नड़ एक्टर प्रथम को जान से मारने की धमकी दी थी। उमापति गौड़ा और प्रथम ने एक्टर के खिलाफ अपनी राय व्यक्त की थी और मृतक रेणुका स्वामी के प्रति सहानुभूति जताई थी। रेणुका स्वामी का दर्शन, उनकी साथी पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य लोगों ने अपहरण कर लिया था। इसके बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। गिरफ्तार आरोपी चेतन ने एक वीडियो बनाकर धमकी देने के लिए माफी मांगी। इसके अलावा उसने वादा किया कि वह कानून का पालन करेगा। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने अमित शाह से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। देश की सुरक्षा के लिए साहसिक कदम उठाकर इतिहास रचने वाले और नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में दोबारा शामिल होने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मंगलवार को नई दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में कर्नाटक भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने मुलाकात कीऔर उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया गया। इसी मौके पर उन्होंने कर्नाटक में पिछले लोकसभा चुनाव के नतीजे पर संतोष जताया और राज्य की जनता को धन्यवाद दिया। प्रदेश में जनविरोधी सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार के खिलाफ संघर्ष के लिए बनी भाजपा की प्रदेश इकाई के बारे में जानकारी देने के साथ ही पार्टी संगठन को और मजबूत करने के लिए उनसे मार्गदर्शन भी मांगा गया।

पैसा न देने पर किन्नरों ने किया जानलेवा हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां सिटी मार्केट पुलिस थाना क्षेत्र में अरुण नामक एक व्यक्ति ने शिकायत की उस पर किन्नरों ने जान से मारने के इरादन हमला किया। यहां बीटी स्ट्रीट फर्स्ट क्रॉस में रहने वाले अरुण के घर पर 4 किन्नरों ने आकर पैसों की मांग की जिसके लिए अरुण ने इंकार कर दिया। जिसको लेकर अरुण और किन्नरों में बहुत झगड़ा हो गया। किन्नरों ने वहां रखे डंडों से अरुण पर हमला कर दिया।

जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। पुलिस शिकायत पर आस पास लगे वीडियो कैमरा में उन किन्नरों को पहचाने की कोशिश की जा रही है।

प्रतापगढ़ में ईंट भट्टा मालिक की हत्या, प्रदर्शन और आगजनी पर उतरी भीड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में ईंट भट्टे से निकलने वाली धूल मिट्टी को लेकर हुए झगड़े में भट्टा मालिक की कथित तौर पर चाकू मारक हत्या कर दी गई। घटना से गुस्साए मृतक के परिजनों ने हमलावरों में शामिल एक आरोपी के ढाबे और शराब की दुकान में आग लगा दी। पुलिस ने मंलगवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना से नाराज 38 वर्षीय ईंट भट्टा मालिक के परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दी और पुलिस कर्मियों पर पथराव किया। पुलिस ने बताया कि मृतक के भट्टे से धूल उड़ने को लेकर बहस हुई थी जिसके बाद ढाबा मालिक सहित कुछ लोगों कथित तौर पर भट्टा मालिक की हत्या कर दी।

पुलिस ने बताया कि घटना प्रतापगढ़ जिले के कोतवाली थानाक्षेत्र के अंतर्गत खेरोट गांव में सोमवार शाम को घटी। पुलिस उपाधीक्षक हेरांभ जोशी ने बताया कि मामले में ढाबा मालिक जयसिंह लालना मुख्य आरोपी है और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि घनश्याम प्रजापति का ईंट भट्टा और लालना का ढाबा आसपास ही है। दोनों के बीच कुछ दिन पहले भट्टे से धूल उड़ने को लेकर बहस हुई थी।

पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि सोमवार शाम को भी इसी मुद्दे पर बहस हुई और इस दौरान प्रजापति ने कथित तौर पर ढाबे पर काम करने वाले एक कर्मचारी को थप्पड़ मार दिया और घर चला गया।

उन्होंने बताया कि रात को लालना सहित छह लोग दो मोटरसाइकिल पर सवार होकर कथित तौर पर प्रजापति के घर पहुंचे और उसे घर से बाहर बुलाया। जोशी ने बताया कि इन लोगों ने प्रजापति की पिटाई की और लालना ने कथित तौर पर उसपर चाकू से हमला कर दिया जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हत्या को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए।

पुलिस ने बताया कि प्रजापति की हत्या का विरोध करते हुए उसके परिवार के सदस्यों ने रात को ढाबे और शराब की दुकान में आग लगा दी और पुलिस के वाहनों पर पत्थरबाजी की एवं प्रतापगढ़-रतलाम राजमार्ग को बाधित कर दिया। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को समझाकर राजमार्ग पर यातायात बहाल कर दिया गया है और इलाके में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। पुलिस उपाधीक्षक ने कहा कि बाकी आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम गठित की गई हैं। पुलिस ने बताया कि शव को जिला अस्पताल के मुर्दाघर में रखा गया है और अब तक पोस्टमॉर्टम के लिए नहीं भेजा गया है।

निवेशकों को हर स्तर पर मदद करेगी राज्य सरकार : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार निवेशकों के लिए हर स्तर पर मदद कर अनुकूल वातावरण तैयार करेगी जिससे देश-विदेशों से अधिकतम निवेश राज्य में आए तथा राजस्थान देश में सबसे बड़े 'इन्वेस्टमेंट हब' के रूप में उभरे। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट-2024 की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी अधिकारी पूरे मनोयोग से जुट जाएं तथा इस ऐतिहासिक आयोजन की प्रत्येक गतिविधि की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि समिट में होने वाले विभिन्न एमओयू को केवल कागजों पर ही न रहकर धरातल पर उतारा जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ इस आयोजन का भव्य क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। आगामी समिट में आने वाले सभी निवेशकों के आतिथ्य सत्कार में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रचार-प्रसार किसी भी आयोजन की सफलता का मुख्य आधार होता है। अधिकारी प्रचार-प्रसार के लिए बेहतरीन कार्ययोजना बनाएं जिससे वैश्विक स्तर पर यह आयोजन चर्चा का विषय बने। शर्मा ने कहा कि सभी उद्योगों को एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की निवेश संबंधी सुविधाएं देने के लिए सिंगल विंडो का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। सिंगल विंडो के लिए विभाग द्वारा अलग से पूरा सिस्टम तैयार किया जाए जिससे उद्यमियों को निवेश में किसी भी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संसाधनों का समुचित उपयोग कर निवेश संबंधी प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान का प्रवासी विश्व के प्रत्येक हिस्से में मौजूद है तथा वे अपनी मिट्टी से हमेशा जुड़े रहना चाहते हैं। इसलिए राजस्थान का प्रवासी प्रदेश में निवेश के लिए हमेशा अवसरों की तलाश में रहता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समिट में प्रवासी राजस्थानियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उनके लिए अलग से सत्र आयोजित हों जिससे वे अपने राज्य में निवेश कर राज्य को औद्योगिक रूप से समृद्ध बनाने में अपनी महती भूमिका निभा सकें। बैठक में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से इन्वेस्टमेंट समिट की गतिविधियां, मुख्य समारोह का प्रारूप, वित्त, उद्योग, परिवहन, पर्यटन, जेडीए, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग सहित विभिन्न विभागों की भूमिका, नवीन प्रस्तावित नीतियां, मॉनिटरिंग मैकेनिज्म सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

शर्मा ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक ही छत के नीचे मार्केट प्लेस उपलब्ध कराने के उद्देश्य से देशभर में 'पीएम एकता मॉल' बनाए जा रहे हैं। इसके तहत जयपुर में भी शीघ्र राजस्थान यूनिटी मॉल का निर्माण किया जाएगा। इसके निर्माण से गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रामीण कारीगरों को भी उनके उत्पाद बेचने में मदद मिलेगी।

दीया कुमारी ने सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट का किया शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी मंगलवार को 36.88 करोड़ लागत से बन रहे सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट शिलान्यास किया। दीया कुमारी ने कहा कि मानसून में जल-भराव की समस्या से सभी लोग बरसों से परेशान थे, परन्तु आज इस ड्रेनेज प्रोजेक्ट अब इस समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल पायेगा। उन्होने कहा कि विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में विकास के कई बड़े प्रोजेक्ट, रेलवे ओवर ब्रिज, बालिका कॉलेज और सेटेलाईट हास्पीटल आ रहे है। अन्य जनसमस्याओं की निराकरण के लिए मैं जल्द ही इलाक़े में साप्ताहिक जनसुनवाई शुरु करने जा रही हूँ।

सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य पूरा होने से भवानी निकेतन, ढेहर के बालाजी, अल्का सिनेमा, 1 नंबर सन एण्ड मून,मुरलीपुरा एवं विद्याधर नगर आदि क्षेत्र से गुजरने वाले लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही वार्ड नं 4 में दो करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से सर्वोदय कॉलोनी से लालाराम नगर बढारना में जल निकास ड्रेनेज का निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया ।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के सतत प्रयासों के बाद जयपुर विकास प्राधिकरण ने इसके लिए 26.52 करोड़ रुपये के कार्यादेश जारी कर दिये गये है। सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट के पहले चरण में 16.09 करोड़ की लागत से सीकर रोड के पूर्वी तरफ तथा 20.53 करोड़ की लागत से सड़क की पश्चिमी दिशा में नाले का निर्माण किया जायेगा। दूसरे चरण में वीकेआई से सेन्ट्रल स्पाईन होते हुए बड़ी-खेड़ा और मुरलीपुरा में 19.21 करोड़ की लागत से नालों का निर्माण करवाया जायेगा। इस प्रोजेक्ट के तीसरे चरण में 13.29 करोड़ की लागत से बाईपास रोड और खेतान अस्पताल के पीछे नाले का निर्माण करवाया जायेगा। इस दौरान जिला पदाधिकारी, समस्त मंडल अध्यक्ष, समस्त वार्ड पार्षद, मोर्चा अध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष, जनप्रतिनिधिगण, व्यापार मंडल पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं विद्याधर नगर के सम्मानित जन मौजूद रहे।

आपातकाल के विरोध में खड़े होने वाले लोकतंत्र के प्रहरी समस्त राष्ट्रभक्तों को कोटि-कोटि नमन : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने मंगलवार को कहा कि भारत के लोकतंत्र का अपमान करते हुए कांग्रेस पार्टी द्वारा 25 जून, 1975 को लागू किए गए आपातकाल के विरोध में खड़े होने वाले लोकतंत्र के प्रहरी समस्त राष्ट्रभक्तों को कोटि-कोटि नमन। संविधान को बचाने की लड़ाई में आप सभी द्वारा दिया गया योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, निरंकुश कांग्रेस सरकार ने एक परिवार के सत्ता सुख के लिए 21 महीनों तक देश में सभी प्रकार के नागरिक अधिकार निलंबित कर दिए थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया पर सेंसरशिप लगा दी थी, संविधान में बदलाव किए और न्यायालय तक के हाथ बांध दिए थे। 25 जून, 1975 को रात के अंधेरे में कांग्रेस की सरकार ने भारत के लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास किया था।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, डार्क डेज ऑफ़ इमरजेंसी हमें याद दिलाती है कि कैसे कांग्रेस पार्टी ने बुनियादी स्वतंत्रता को नष्ट कर दिया और भारत के संविधान को कुचल दिया, जिसका हर भारतीय सम्मान करता है। देश में लोकतंत्र की हत्या और उस पर बार-बार आघात करने का कांग्रेस का लंबा इतिहास रहा है। 25 जून, 1975 को कांग्रेस के द्वारा लगाया गया आपातकाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कांग्रेस की आपातकाल वाली मानसिकता आज भी नहीं गई है।

विद्यार्थी विकसित भारत की संकल्पना के सहभागी बनें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि कृषि विश्वविद्यालय किसानों के लिए हितकर योजनाओं का निर्माण ही नहीं करें बल्कि वे आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के प्रसार केन्द्र के रूप में भी अपनी पहचान बनाएं। उन्होंने विद्यार्थियों को डिग्री प्राप्त कर विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में सहभागी बनने का भी आह्वान किया है। राज्यपाल मंगलवार को कृषि विश्वविद्यालय कोटा के सातवें दीक्षांत समारोह में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अभ्यर्थियों को गोल्ड मेडल एवं उपाधियां प्रदान करने के बाद संबोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में 310 अभ्यर्थियों को उपाधियां जबकि 10 अभ्यर्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए गए। गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों में 6 छात्राएं एवं 4 छात्र शामिल थे।

राज्यपाल ने छात्राओं के कृषि के क्षेत्र में आगे बढ़ने पर बधाई देते हुए कहा कि कृषि शिक्षा में छात्राओं ने तेजी से आगे बढ़कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। यह देश एवं समाज के लिए शुभ लक्षण है। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालयों का आव्हान किया कि वे पारम्परिक खेती के साथ ही दूसरे देशों में कृषि के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयोगों को ध्यान में रखते हुए किसानों की उपज बढ़ाने की दिशा में प्रयास करें। उन्होंने कृषि के क्षेत्र में उन्नत तकनीक के प्रयोग पर जोर दिया।

मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन से जुड़े क्षेत्रों में सतत अनुसंधान के विकास कार्य कर रोजगारोन्मुखी दक्षता बढ़ाने के लिए भी निरंतर कार्य करें। इसी से युवाओं का कृषि की ओर रुझान बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि कृषि उद्यमिता के अंतर्गत नवाचार अपनाते हुए निंरतर कार्य किए जाने की भी नितांत आवश्यकता है। कृषि उत्पादों के विपणन, कृषि भंडारण आदि क्षेत्रों में नवाचार अपनाते हुए रोजगार के नवीन अवसर सृजित किए जाएं। कृषि क्षेत्र में शोध और अनुसंधान में भी आधुनिक दृष्टिकोण के साथ हमारे अपने परिवेष को ध्यान में रखते हुए कार्य किया जाए।

राज्यपाल ने कहा कि कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स और ड्रोन तकनीक का बढ़ता हुआ महत्व न केवल खेती के पारंम्परिक तरीकों को बदल रहा है, बल्कि इसे अधिक कुशल और प्रभावी भी बना रहा है। उन्होंने कहा कि एग्री-टूरिज्म कृषि के क्षेत्र में नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण आयाम है। इससे न केवल किसानों की आय में वृद्धि हो सकती है बल्कि पर्यावरण को भी संरक्षित किया जा सकता है। यह किसानों के लिए अतिरिक्त आय का स्रोत है और पर्यटकों को प्रकृति और कृषि के प्रति जागरूक भी करता है। एग्री-टूरिज्म को बढ़ावा कैसे मिले और कैसे युवाओं को प्रेरित किया जाए-इस पर भी विश्वविद्यालय कार्य करें। कोटा संभाग में एग्री-टूरिज्म के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं।

बेटियों के साथ बेटों को भी आगे बढ़ने के पूरे अवसर प्रदान करेगी सरकार : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश और प्रदेश की उन्नति में युवाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है तथा राज्य सरकार आपणो अग्रणी राजस्थान के संकल्प के अनुरूप युवा शक्ति के उन्नयन के साथ शिक्षित और समृद्ध प्रदेश के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि मण्डल से मुलाकात के दौरान सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि इस देश में युवा, महिला, किसान, गरीब जैसे चार वर्ग हैं, जिनके उत्थान के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए 30 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत आरक्षण करने से प्राथमिक स्तर पर हमारे बच्चों की नींव मजबूत होगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार बेटियों के साथ बेटों को भी आगे बढ़ने के पूरे अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी परिवर्तित बजट में युवाओं के कल्याण तथा सशक्तिकरण के लिए विभिन्न निर्णयों का समावेश किया जाएगा। इस अवसर पर युवाओं ने विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने, रोजगार के लिए विशेष अभियान, खेल सुविधाओं का विस्तार, महिला सुरक्षा, परंपरागत खेलों को बढ़ावा देने, भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार सहित विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि छात्र संगठनों को युवाओं की समस्याओं को उजागर करने के साथ-साथ उनके समाधान का भी माध्यम बनना चाहिए। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के साथ युवा सशक्तिकरण व छात्र कल्याण से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

इससे पहले संगठन के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर ध्येय यात्रा पुस्तक भेंट की। इस दौरान राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि मौजूद थे।

दक्षिण-पश्चिम मानसून पहुंचा राजस्थान

जयपुर। दक्षिण-पश्चिम मानसून मंगलवार को राजस्थान पहुंच गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून उत्तरी अरब सागर, गुजरात, मध्य प्रदेश और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून की उत्तरी सीमा मुंद्रा, महेसाणा, उदयपुर, शिवपुरी, सिद्धि, चाईबासा, हल्दिया, पाकुड़, साहिबगंज और रक्सौल से होकर गुजर रही है।

मौसम केंद्र ने बताया कि अगले तीन से चार दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के राजस्थान के अधिकतर भागों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। मौसम केंद्र के मुताबिक, अगले 24 घंटों में कोटा और उदयपुर संभाग के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि 25 तथा 26 जून को पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर गरज के साथ छींटे पड़ने और हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। विभाग ने बताया कि अगले सात दिनों में पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

भ्रष्टाचार के मामले में तीन सहायक अभियंताओं को तीन-तीन साल की सजा

अलवर। राजस्थान में अलवर के विशिष्ट न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण मामलात ने चौबीस वर्ष पूर्व जलदाय विभाग में समान की खरीद-फरोख्त में लाखों का घोटाला करने मामले में तीन सहायक अभियन्ताओं एवं दो ठेकेदारों को तीन-तीन वर्षों की सजा सुनायी है। विशिष्ट लोक अभियोजक शारदा गोयल ने बताया कि वर्ष 2000 में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग में समान की खरीद में लाखों रुपये के घोटाले से जुड़े एक मामले का निस्तारण करते हुये मंगलवार को विद्वान न्यायाधीश अरुण कुमार बेरीवाल ने सहायक अभियन्ता शिवनारायण पोटर, हरलाल सिंह विकास नगर मथुरा गेट, भरतपुर, गिर्राज प्रसाद तथा ठेकेदार अभिषेक शर्मा और अतुल प्रसाद राजेन्द्र नगर दिल्ली को भ्रष्टाचार की धारा 13, 1 डी 1 में तीन साल की सजा एवं 20,000 रुपये जुर्माना, धारा 120बी में तीन साल की सजा एवं 10,000 रुपये के दण्ड से दण्डित किया गया है, जबकि स्टोर कीपर सतीश अग्रवाल को दोषी नहीं पाये जाने पर बरी कर दिया गया है। गौरतलब है कि ये सभी अधिकारी वर्तमान में सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

ट्रक-कार टक्कर में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के सीकर में बीकानेर राजमार्ग पर सोमवार को एक कार और एक ट्रक की टक्कर में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिसके कारण पीछे आ रही कार ट्रक से टकरा गई। उसने बताया कि कार में आसमा खातून (40), उनकी बेटी फिरदौस (14) तथा बेटा सद्दाम (10) की मौत हो गई।

नीट को लेकर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी)' के आयोजन में कथित गड़बड़ी को लेकर सोमवार को कोटा में विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता टीका राम जूली के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने राज्य में बिजली संकट और कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर भाजपा नीत राज्य सरकार के खिलाफ भी विरोध प्रदर्शन किया।

डोटासरा ने यहां जिलाधिकारी कार्यालय चौराहे के पास 'सर्किट हाउस' में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नीट-यूजी परीक्षा रद्द करने और कथित नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की। डोटासरा ने सवाल किया, जब राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित यूजीसी-नेट, नीट-पीजी और सीएसआईआर यूजीसी-नेट जैसी परीक्षाएं रद्द की जा सकती हैं, तो सरकार नीट-यूजी को रद्द क्यों नहीं कर रही है। यह एक बड़ा घोटाला है। उन्होंने राजस्थान में कानून व्यवस्था की स्थिति के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार और केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर भी निशाना साधा। डोटासरा ने दावा किया कि भाजपा शासन के पिछले पांच महीनों में राज्य में 2,875 लड़कियों और महिलाओं के साथ दुष्कर्म हुआ है।

युवक की हत्या से गुस्साए परिवार ने पुलिस चौकी में की तोड़फोड़

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में 23 वर्षीय युवक की हत्या के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने जोबनेर इलाके की एक पुलिस चौकी में तोड़फोड़ की। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सोमवार को अजय कुमार (23) घायल अवस्था में मिले थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उनकी मौत हो गयी। जयपुर (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक शांतनु कुमार ने बताया कि अजय के परिवार के सदस्य और रिश्तेदार जोबनेर थाने पहुंचे और प्रदर्शन करने लगे।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इन लोगों ने आरोप लगाया कि अजय कुमार एक दुकान में काम करते थे और दुकानदार ने उनकी हत्या कर दी। उन्होंने कहा, उनमें से कुछ लोग यह आरोप लगाते हुए चौकी में घुस गये और तोड़फोड़ की कि वहां तैनात पुलिसकर्मियों ने लापरवाही बरती थी। पुलिस के मुताबिक, अजय के परिवार ने आरोप लगाया कि वह हत्या का मामला दर्ज कराना चाहते थे लेकिन चौकी में तैनात पुलिसकर्मियों ने ऐसा करने से मना कर दिया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और साथ ही सरकारी संपत्ति नुकसान रोकथाम अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है।

धामी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की, उत्तराखंड के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और राज्य के विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को राज्य हित में लंबित जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण की अनुमति दिये जाने का अनुरोध किया।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से निर्माण कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन में क्षतिपूरक पौधरोपण के लिए वन भूमि हस्तांतरण को व्यवहारिक बनाये जाने, मानसखंड मन्दिर माला मिशन के लिए एक हजार करोड़ रुपये की सहायता प्रदान करने और उत्तराखण्ड में प्रस्तावित तीन सुरंग परियोजनाओं को स्वीकृति देने का अनुरोध किया।

धामी ने मोदी को तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री का दायित्व संभालने पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं और विश्वास व्यक्त किया कि उनके कुशल नेतृत्व में देश समग्र विकास के नए आयाम प्राप्त कर सम्पूर्ण विश्व में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करने में सफल होगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री को महासू मंदिर की प्रतिकृति भेंट की।

धामी ने प्रधानमंत्री को बताया कि उत्तराखंड राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए जल विद्युत परियोजनायें राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि का मुख्य कारक हैं और राज्य की विद्युत ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उत्तराखंड को खुले बाजार से प्रतिवर्ष लगभग 1000 करोड़ रुपये की बिजली खरीदनी पड़ती है, जिससे राज्य के वित्तीय संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने अलकनंदा, भागीरथी तथा सहायक नदियों में प्रस्तावित 24 जल विद्युत परियोजनाओं के बारे में उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर गठित विशेषज्ञ समिति-2 की अन्तिम रिपोर्ट पर जल शक्ति मंत्रालय तथा विद्युत मंत्रालय के साथ पुर्नसमीक्षा करने के लिए प्रधानमंत्री से अनुरोध किया ।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री मोदी से उत्तराखंड में रेल सेवाओं के विस्तार के लिये देहरादून-मसूरी रेल लाइन परियोजना की स्वीकृति रेल मंत्रालय से करवाने के लिए अनुरोध किया। इसके साथ ही उन्होंने उत्तराखंड में प्रस्तावित ज्योलिकांग-वेदांग, सीपू-तोला और मिलम- लैपथल सुरंग परियोजनाओं की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति का अनुरोध किया।

राम मंदिर भवन निर्माण समिति ने गर्भगृह में बारिश का पानी भरने के आरोप नकारे

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मंदिर के गर्भगृह में बारिश का पानी भरने के आरोपों को सिरे से नकारते हुए कहा कि मंदिर निर्माण कार्य की गुणवत्ता में कोई भी कमी नहीं है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट राम मंदिर का निर्माण करा रहा है।

राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने आरोप लगाया था कि शनिवार आधी रात को हुई बारिश के कारण गर्भगृह में मंदिर की छत से तेजी से पानी टपक रहा था और रविवार सुबह फर्श पर पानी भरा हुआ था। दास ने कहा कि काफी मशक्कत के बाद मंदिर परिसर से पानी निकाला गया हालांकि नृपेंद्र मिश्रा ने इन आरोपों को सिरे से नकार दिया। मिश्रा ने कहा, ''पहले मैं आपको एक बात स्पष्ट करना चाहूंगा। समाचार पत्रों में यह बात छपी है कि मंदिर की छत से बारिश का पानी टपका, जिस वजह से गर्भगृह में या अन्य स्थानों पर पानी भरा। ऐसा कुछ भी नहीं है। मैंने स्वयं निरीक्षण किया।'' मिश्रा ने कहा, गुरु मंडप की जो छत और गुंबद है, उसका निर्माण कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है।

झारखंड के मुख्यमंत्री ने आदिवासी रेजिमेंट के गठन की इच्छा जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने मंगलवार को भारतीय सेना में जाट, बिहार और सिख रेजिमेंट की तर्ज पर आदिवासी रेजिमेंट के गठन की मंशा जाहिर की। सेना की पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल राम चंद्र तिवारी द्वारा राज्य सचिवालय में शिष्टाचार भेंट के दौरान, मुख्यमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि आदिवासी रेजिमेंट के गठन से सेना में देशभर के आदिवासियों को अलग पहचान मिलेगी। सोरेन ने सेना में झारखंड के आदिवासी युवाओं के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला और स्थानीय लोगों के लिए भर्ती में अवसर बढ़ाने की वकालत की।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार लेफ्टिनेंट जनरल तिवारी ने पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से झारखंड में एक पारिस्थितिक प्रांतीय सेना के गठन का प्रस्ताव रखा। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि इस पहल को लेकर सेना की ओर से औपचारिक प्रस्ताव मिलने पर पूरा सहयोग किया जाएगा। पारिस्थितिक प्रांतीय सेना में पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों के लिए समर्पित पूर्व सैनिक शामिल हैं। झारखंड में पारिस्थितिक प्रादेशिक सेना की स्थापना से सेना को बड़े पैमाने पर पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में मदद मिलेगी। बाद में, लेफ्टिनेंट जनरल तिवारी ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की।

कांग्रेस से अपील कि लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव को मजबूर न करें : किरेन रीजीजू

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने मंगलवार को कांग्रेस से अपील की कि वह लोकसभा अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए दबाव नहीं डाले, क्योंकि पीठासीन अधिकारी किसी पार्टी से संबंधित नहीं होता है। लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार ओम बिरला के खिलाफ कांग्रेस नेता कोडिकुन्निल सुरेश के नामांकन दाखिल करने के बाद रीजीजू का यह बयान सामने आया है। सुरेश के नामांकन दाखिल करने के कारण इस पद के लिए 48 साल बाद चुनाव होने की उम्मीद है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, ''मैं एक बार फिर अपील करता हूं कि उन्हें (कांग्रेस को) अध्यक्ष पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए एक बार फिर से सोचना चाहिए। हमारे पास (जरूरी) संख्या है, फिर भी हम अनुरोध कर रहे हैं कि अध्यक्ष पद के लिए चुनाव नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह पद किसी पार्टी से संबंधित नहीं होता है।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने अध्यक्ष पद पर आम सहमति के लिए पिछले दो दिन में प्रमुख विपक्षी दलों से संपर्क किया है।

रीजीजू ने कहा, ''हम चाहते हैं कि अध्यक्ष का चुनाव सर्वसम्मति से और निर्विरोध हो, इसलिए हमने उनसे (विपक्ष से) संपर्क किया और उनसे अपील की। आज, हमने कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की। हमने उनसे अध्यक्ष पद के लिए समर्थन की अपील की। उन्होंने (विपक्ष ने) कहा कि वे समर्थन करेंगे लेकिन वे उपाध्यक्ष का पद चाहते हैं।''

ओम बिरला के खिलाफ उम्मीदवार उतारने के लिए नड्डा ने की विपक्ष की आलोचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मंगलवार को कांग्रेस को 'आपातकाल के काले दिनों' की याद दिलाते हुए उसपर तीखा हमला बोला और साथ ही लोकसभा अध्यक्ष पद के चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन के खिलाफ उम्मीदवार उतारने के लिए विपक्ष की आलोचना की।

लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में कांग्रेस ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के ओम बिरला के खिलाफ अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता के सुरेश को उम्मीदवार बनाया है।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा 1975 में लगाए गए आपातकाल की 49वीं बरसी के मौके पर भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के मुद्दे पर कांग्रेस पर 'पाखंड' और 'दोहरे मापदंड' अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि मुख्य विपक्षी दल की मानसिकता में लोकतंत्र के लिए कोई जगह नहीं है।

नड्डा ने सवाल किया, ''आज तक कभी भी लोकसभा के स्पीकर का चुनाव सशर्त हुआ है? ये (विपक्ष) कह रहे हैं कि डिप्टी स्पीकर तय करो तब हम स्पीकर को समर्थन देंगे।'' उन्होंने कहा कि यह बात वह लोग कह रहे हैं जिन्होंने अपने शासन वाले राज्यों में खुद इसका पालन नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार में तेलंगाना में स्पीकर और डिप्टी स्पीकर दोनों अपने बनाए हैं। उन्होंने कहा, ''कर्नाटक में इनका ही स्पीकर और इनका ही डिप्टी स्पीकर है। ममता बनर्जी लोकतंत्र की बात करती हैं लेकिन पश्चिम बंगाल में भी टीएमसी का ही स्पीकर और डिप्टी स्पीकर है। तमिलनाडु में इनका ही स्पीकर और इनका ही डिप्टी स्पीकर, केरल में वामपंथी दलों का स्पीकर और डिप्टी स्पीकर।'' उन्होंने कहा, ''हाथी के दांत दिखाने के कुछ और और खाने के कुछ और हैं। ये ऐसे लोग हैं जो पाखंड करते हैं और दोहरे मापदंड में जीते हैं। इनके मन में आज भी वही आपातकाल वाली सोच है। मेरी मानो नहीं तो हम आपके साथ जो व्यवहार करेंगे वह तो करेंगे।'' नड्डा ने कहा कि यह प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार थी जिसने 25 जून, 1975 को आपातकाल लगाकर देश के लोकतंत्र का गला घोंट दिया था और विरोध करने वालों पर बड़े पैमाने पर अत्याचार किए थे।

उन्होंने आरोप लगाया, ''संविधान का कई बार अपमान और अनदेखी करने वालों ने खुद को संविधान रक्षक घोषित किया है।''

उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में विश्वस्तरीय भारतीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण के प्रस्ताव को प्रदेश सरकार ने मंगलवार को मंजूरी दे दी। संग्रहालय के निर्माण के लिये पर्यटन विभाग 90 साल के लिये पट्टे पर जमीन देगा।

प्रदेश के पर्यटन मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि 'टाटा संस' कंपनी ने केन्द्र सरकार के जरिये एक प्रस्ताव राज्य को दिया था, जिसमें कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व कोष (सीएसआर फंड) से 650 करोड़ रुपए की लागत से अयोध्या में एक विश्व स्तरीय भारतीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण की पेशकश की गई थी।

सिंह ने कहा कि इसके अलावा अन्य विकास कार्यों के लिए 100 करोड रुपए देने का प्रस्ताव किया गया था। सिंह ने कहा कि इन प्रस्तावों को मंत्रिमंडल ने मंगलवार को मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि इस मंदिर संग्रहालय के निर्माण के लिये पर्यटन विभाग एक रुपये की लीज पर 90 साल के लिए जमीन उपलब्ध कराएगी। भारतीय मंदिरों की समृद्ध स्थापत्य परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए अयोध्या में एक संग्रहालय बनाया जाएगा और इस परियोजना के लिए 25 एकड़ भूमि की पहचान कर ली गई है।

प्रश्न पत्र लीक की घटनाओं पर रोक के लिए अध्यादेश को मंजूरी, उम्रकैद और जुर्माने का प्रावधान

लखनऊ/भाषा। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्न पत्र लीक को लेकर छिड़े विवाद के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने सार्वजनिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक कराने और परीक्षा में अनुचित साधनों के इस्तेमाल पर लगाम लगाने के लिये अध्यादेश के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये इस अहम फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि प्रश्न पत्र लीक के संबंध में मंत्रिमंडल ने एक अध्यादेश के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। प्रस्ताव के तहत प्रश्न पत्र लीक करने के मामले में पकड़े जाने वाले लोगों को दो वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की कैद और एक करोड़ रुपए तक के जुर्माने की सजा का प्रावधान किया गया है।

भारत को सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण में निवेश करना चाहिए : वायुसेना प्रमुख चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने मंगलवार को कहा कि वर्तमान परिदृश्य सीमा विवादों और आतंकवाद से लेकर साइबर खतरों एवं क्षेत्रीय अस्थिरता तक ''बहुआयामी चुनौतियां'' पेश करता है तथा भारत को इस चुनौतीपूर्ण स्थिति से निकलने के लिए अपने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण में निवेश करना चाहिए।

वायुसेना प्रमुख ने यहां एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आधुनिक युद्ध को त्वरित प्रौद्योगिकी उन्नयन, असमान्य खतरों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है और भू-राजनीति, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य को व्यापक रूप से समझने की जरूरत है।

विश्व के कुछ क्षेत्रों में टकराव के बीच उभरती भू-राजनीति की पृष्ठभूमि में उनकी यह टिप्पणी आई है। संगोष्ठी का आयोजन भारतीय वायुसेना, कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर (सीएडब्ल्यू) और सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज (सीएपीएस) द्वारा सुब्रतो पार्क स्थित वायुसेना सभागार में 'तीसरे युद्ध एवं एयरोस्पेस रणनीति कार्यक्रम' (डब्ल्यूएएसपी) के समापन के अवसर पर किया गया था। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि इस ''बहुआयामी परिदृश्य'' के लिए ऐसे सैन्य कर्मियों की आवश्यकता है जो न केवल युद्ध कौशल से लैस हों, बल्कि अपने कार्यों के व्यापक निहितार्थों की गहरी समझ भी रखते हों। उन्होंने कहा, ''इसलिए, मेरी राय में एक दक्ष योद्धा ऐसा सैन्य पेशेवर है जो वर्तमान समय में ''जटिल होते जा रहे सुरक्षा माहौल'' में बौद्धिक कौशल को युद्ध कौशल के साथ जोड़ता है।'' वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भारत के सामरिक सोच-विचार की जड़ें ईसा पूर्व चौथी सदी में लिखे गए (कौटिल्य के) अर्थशास्त्र जैसी प्राचीन रचनाओं तक जाती हैं।

वायुसेना प्रमुख ने इस बात पर जोर देने के लिए प्राचीन यूनानी इतिहासकार थ्यूसिडाइड के शब्दों का भी हवाला दिया, जिन्होंने कहा था, ''जो समाज अपने विद्वानों को अपने योद्धाओं से अलग करता है, वहां सोच-विचार कायरों द्वारा और युद्ध मूर्खों द्वारा लड़ी जाएगी।'' उन्होंने कहा कि भारत की सामरिक कार्यशैली ऐतिहासिक अनुभवों और ''निरंतर विकसित हो रहे भू-राजनीतिक वातावरण'' से आकार लेती है। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि यह सामरिक स्वायत्ता, सावधानी और एक मजबूत क्षेत्रीय अखंडता पर जोर देती है। उन्होंने कहा, ''वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य सीमा विवाद और आतंकवाद से लेकर साइबर खतरों और क्षेत्रीय अस्थिरता तक बहुआयामी चुनौतियां प्रस्तुत करता है।

हार सुनिश्चित दिखती है तो कांग्रेस किसी दलित को उम्मीदवार बना देती है: चिराग पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मंगलवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि महत्वपूर्ण पदों पर जब उसे हार सुनिश्चित दिखती है तो वह किसी दलित नेता को 'प्रतीकात्मक उम्मीदवार' के रूप में मैदान में उतार देती है।

लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में विपक्षी दलों की ओर से कोडिकुन्नील सुरेश को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद दलित नेता और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए यह टिप्पणी की है। सरकार और विपक्ष के बीच मंगलवार को आम-सहमति नहीं बन सकी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार तथा भाजपा सांसद ओम बिरला का मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी के. सुरेश के साथ होगा। सुरेश आठवीं बार सांसद बने हैं और वह दलित समुदाय से आते हैं। चिराग पासवान ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जब भी कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष को पता चलता है कि उनकी हार सुनिश्चित है तो वे दलित कार्ड चल देते हैं।'' पासवान ने कहा कि साल 2002 में उन्हें पता था कि वे उपराष्ट्रपति पद का चुनाव हार रहे हैं फिर भी उन्होंने सुशील कुमार शिंदे को उम्मीदवार बनाया था। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार 2017 में जब वे जानते थे कि वे राष्ट्रपति पद का चुनाव हार रहे हैं तो उन्होंने मीरा कुमार को उम्मीदवार बनाया। उन्होंने कहा, ''अब जब उनके पास स्पष्ट रूप से लोक सभा अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए संख्याबल नहीं है तो वे कांग्रेस के दलित के नेता के.सुरेश जी को नामांकित कर रहे हैं।''

'री-नीट' की मांग वाली टी-शर्ट पहनकर पप्पू यादव ने ली शपथ

नई दिल्ली/भाषा। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव नीट-यूजी की फिर से परीक्षा कराए जाने की मांग करते हुए मंगलवार को 'री-नीट' लिखी हुई टी-शर्ट पहनकर संसद पहुंचे थे और इसी में उन्होंने सदस्यता की शपथ भी ली। यादव ने शपथ के बाद फिर से परीक्षा कराने की मांग भी की, लेकिन उनकी बात को रिकॉर्ड से हटा दिया गया। शपथ ग्रहण के बाद यादव ने संवाददाताओं से कहा कि लाखों छात्र फिर से परीक्षा की मांग कर रहे हैं और उनकी मांग मानी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा भी मिलना चाहिए। नीट-यूजी की परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर इन दिनों बड़ा विवाद खड़ा हुआ है।

चुनावों में हार के बाद बाइचुंग भूटिया ने राजनीति से लिया संन्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया ने सोमवार को राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने यह फैसला हाल में संपन्न सिक्किम विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद लिया है।

सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के उपाध्यक्ष भूटिया को बरफुंग सीट से सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसएकेएम) उम्मीदवार रिकशाल दोरजी भूटिया के हाथों हार मिली थी। यह उनकी छठी चुनावी हार थी। भूटिया 2014 में तब राजनीति में आए जब तृणमूल कांग्रेस ने उन्हें दार्जीलिंग लोकसभा सीट से अपना उम्मीदवार बनाया। उन्होंने 2018 में हमरो सिक्किम पार्टी का गठन किया और अपने गृह राज्य की राजनीति में प्रवेश किया। पिछले साल उन्होंने अपनी पार्टी का विलय पवन चामलिंग नीत एसडीएफ में कर दिया। भूटिया ने यहां जारी एक बयान में कहा, ''सबसे पहले मैं माननीय पी. एस.तमांग और सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा को विधानसभा चुनाव में जीत की बधाई देना चाहता हूं। सिक्किम की जनता ने उन्हें शानदार जनमत दिया है और मुझे उम्मीद है कि एसकेएम सरकार अपने वादों को पूरा करेगी और सिक्किम को सभी क्षेत्रों में नई ऊंचाई पर ले जाएगी।''

अफगानिस्तान ने रचा इतिहास, पहली बार टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

किंग्सटाउन/भाषा। विषमता से सफलता के सफर में अपने क्रिकेट इतिहास का सबसे सुनहरा पन्ना लिखते हुए अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के मैच में डकवर्थ लुईस प्रणाली से बांग्लादेश को आठ विकेट से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया ।

जैसे ही नवीनुल हक ने 18वें ओवर की चौथी गेंद पर तस्कीन अहमद का विकेट लिया, उनके साथी खिलाड़ियों से लेकर स्टेडियम में मौजूद समर्थकों तक की आंखें भर आई । कैरेबियाई सरजमीं से काबुल तक क्रिकेटप्रेमियों को भावविभोर करने वाली इस उपलब्धि का कयास क्रिकेट पंडित भी नहीं लगा सके थे । राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध की विभीषिका झेलने वाले देश की ऐसी टीम ने यह कारनामा कर दिखाया जिसके पास अभ्यास के लिये खुद का मैदान तक नहीं है ।

इस रोमांचक मुकाबले में पासा पल पल बदलता रहा लेकिन आखिर में बाजी राशिद खान के रणबांकुरों के नाम रही जिन्होंने इस जीत के साथ आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गज का टूर्नामेंट से बोरिया बिस्तर भी बांध दिया । अब सेमीफाइनल में 27 जून को अफगानिस्तान का सामना दक्षिण अफ्रीका से और भारत की टक्कर इंग्लैंड से होगी । इससे पहले बांग्लादेश के गेंदबाजों ने बेहतरीन

प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को पांच विकेट पर 115 रन पर रोक दिया । लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने 26 रन देकर तीन विकेट चटकाये । शानदार फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज भी खुलकर नहीं खेल पाये और 43 रन बनाने के लिये 55 गेंदें खेल डाली । जवाब में अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को 17 . 5 ओवर में 105 रन पर आउट कर दिया । राशिद खान ने 23 रन देकर और तेज गेंदबाज नवीनुल हक ने 26 रन देकर चार चार विकेट लिये । बांग्लादेश के लिये लिटन दास (नाबाद 54) अकेले किला लड़ाते रहे । बारिश के कारण खेल कई बार रुका ।

अफगानिस्तान ने अब तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपनी सलामी जोड़ी के दम पर जीत दर्ज की है और आज भी कहानी वही रही । गुरबाज और इब्राहिम जदरान ने 59 रन की साझेदारी की तो फजलहक फारूकी और नवीनुल ने नई गेंद से विकेट लिये ।

शुरूआती विकेट लेने के आदी फारूकी ने तंजीद हसन को दूसरे ही ओवर में पवेलियन भेजा । इसके बाद नवीनुल ने नजमुल हुसैन शांतो और शाकिब अल हसन के कीमती विकेट लिये । बांग्लादेश का स्कोर उस समय तीन विकेट पर 31 रन था जब बारिश के कारण खेल रुका । खेल बहाल होने पर पावरप्ले के छह ओवर में उसने तीन विकेट पर 46 रन बना लिये थे । ऐसे में राशिद ने गेंद संभाली और लगातार ओवरों में विकेट लिये । उन्होंने लगातार दो विकेट लेकर टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 150 विकेट पूरे करके न्यूजीलैंड के टिम साउदी को पछाड़ा । एक बार फिर बारिश से खलल पड़ा जब बांग्लादेश डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर पीछे थी । ऐसे में अफगानिस्तान के हरफनमौला गुलबदिन नायब अचानक ऐंठन के कारण गिर पड़े जिसे खेल में विलंब करने का शिगूफा माना जा रहा है । उधर खेल बहाल होने पर लिटन ने स्क्रेयर लेग में चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया।

मंधाना और हरमनप्रीत महिला वनडे रैंकिंग में शीर्ष 10 में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी की महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में दो पायदान आगे नौवें स्थान पर पहुंच गई जबकि उपकप्तान स्मृति मंधाना एक पायदान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गई।

मंधाना के 738 जबकि हरमनप्रीत के 648 रेटिंग अंक हैं। मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई तीन मैच की शृंखला में 343 रन बनाकर शीर्ष 10 में अपनी जगह बनाए रखी।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने शीर्ष रैंकिंग हासिल करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। वह तीन पायदान चढकर दूसरे स्थान पर पहुंच गई है तथा इंग्लैंड की नंबर एक बल्लेबाज नैट साइवर ब्रंट से केवल 16 अंक पीछे है।

दक्षिण अफ्रीका इस शृंखला के तीनों मैच में हार गया था लेकिन वोलवार्ट ने दूसरे मैच में नाबाद 135 रन की पारी खेली थी।

गेंदबाजी में भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा चौथे स्थान पर बनी हुई है। उनके 671 रेटिंग अंक हैं।

सुविचार

जमाने की नजर में थोड़ा सा अकड कर चलना सीख लो, मोम जैसा दिल लेकर फिरोगे तो लोग जलाते ही रहेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रसिद्धि का खतरनाक चस्का

सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने का चस्का लोगों की जान पर भारी पड़ रहा है। हाल में एक के बाद एक जो वीडियो सामने आए, उन्हें देखकर हैरत होती है। कई लोग अपनी और दूसरों की जान को सिर्फ इसलिए जोखिम में डाल देते हैं, ताकि उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो जाए, दुनिया उन्हें जाने, उनके बारे में बातें करे! इस किस्म के वीडियो बनाते हुए कुछ लोग जान तक गंवा चुके हैं, लेकिन प्रसिद्धि पाने का मोह ऐसा छाया हुआ है कि उल्टी-सीधी हरकतें बंद होने का नाम नहीं ले रहीं। क्या यह क्षणिक प्रचार जीवन से बढ़कर है? अगर खतरनाक कारनामा करते वक्त चोट नहीं लगी और वीडियो वायरल हो भी गया तो उससे क्या हासिल हो जाएगा? ऐसा तो नहीं है कि खुद की और दूसरों की जान जोखिम में डालकर वीडियो बनाने से कोई व्यक्ति इतिहास में 'अमर' हो जाएगा! सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की ऐसी सनक पुणे में उन तीन युवाओं को बहुत महंगी पड़ सकती थी, जिनका वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। वीडियो में दिखाई दे रही लड़की अपने साथी का हाथ पकड़कर ऊंची इमारत से लटकी हुई थी। ऐसा काम करना कोई बहादुरी तो नहीं है। अगर ज़रा-सी भी चूक हो जाती तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। उसके बाद हर कोई सरकार और प्रशासन को जिम्मेदार ठहराता। प्राय: ऐसे युवाओं पर उन फिल्मों का ज्यादा असर होता है, जिनमें कोई हीरो खतरनाक स्टंट करते हुए ऊंची-ऊंची इमारतों से छलांग लगाता है, आग की लपटों से घिर कर भी सुरक्षित निकल आता है, उड़ते हवाईजहाज को छलांग लगाकर पकड़ लेता है, एक ही वार से मजबूत दीवार को तोड़ देता है ... उसके बाद दो-तीन दर्जन गुंडों की पिटाई भी कर देता है!

युवाओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि फिल्मों में ऐसे बड़े-बड़े कारनामों को अंजाम देने वाले 'हीरो' के साथ हुईं ये तमाम घटनाएं आधुनिक तकनीक का 'चमत्कार' हैं। जहां कहीं जोखिम होता है, वहां उसकी सुरक्षा के लिए पूरी टीम मौजूद होती है। पर्दे पर जैसा दिखता है, हकीकत में वैसा नहीं होता है। हीरो फिल्म में उड़ते विमान या हेलीकॉप्टर को एक ही छलांग में इसलिए पकड़ लेता है, क्योंकि यह कहानी का हिस्सा होता है। अगर फिल्म निर्माता ऐसे किसी दृश्य की अनुमति न दे तो 'हीरो' कितनी ही छलांग लगा ले, वह उड़ते विमान को पकड़ना तो दूर, अपने घर की छत पर बैठे कौए को भी नहीं पकड़ सकता। कई लोग वीडियो बनाते हुए उसमें इस तरह खो जाते हैं कि उन्हें पता ही नहीं चलता कि कितनी बड़ी मुसीबत में फंसने जा रहे हैं! हालांकि एक सामान्य व्यक्ति भी विवेकपूर्ण ढंग से विचार करे तो यह बता सकता है कि ऐसा करने का मतलब है- मौत को दावत देना। गुजरात के कच्छ में कुछ युवाओं का एक समूह अपनी कार को 'समुद्र के अंदर' इसलिए ले गया, क्योंकि सबको वीडियो बनाकर अपने सोशल मीडिया पर 'वाहवाही' हासिल करनी थी। वे लोग समुद्र की लहरों में ऐसे फंसे कि स्थानीय लोग उन्हें बाहर निकालकर लाए। अगर उन्हें समय पर मदद न मिलती और समुद्र की लहरें यूं ही थपेड़े बरसा रही होतीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। इसी तरह एक महिला इंस्टाग्राम के लिए नृत्य का वीडियो बना रही थी, जिसकी गोद में उसका बच्चा था। इसी दौरान बच्चा नीचे गिर गया, उसके सिर में चोट लगी, लेकिन महिला हंसते हुए वीडियो बनाती रही! 'आत्मप्रचार' की यह लालसा कहां लेकर जा रही है? पर्यटन, खेल, बहादुरी, नृत्य, संगीत आदि विषयों पर वीडियो बनाना गलत नहीं है, लेकिन इसके साथ विवेक से काम लेना जरूरी है। खुद की या दूसरों की जान जोखिम में डालना अक्लमंदी नहीं है। सोशल मीडिया पर कुछ सेकंड के ऐसे वीडियो, जिसमें खुद की या दूसरों की जान को जोखिम में डाला गया हो, को वायरल करने से अपना नाम इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज नहीं हो जाता। अगर कोई युवा खुद को इतना बहादुर मानता है कि उसे समुद्र की शक्तिशाली लहरों से लेकर इमारतों की बुलंदियों तक ... कोई नहीं डरा सकता, तो उसे अपनी प्रतिभा सेना में भर्ती होकर सरहद पर दिखानी चाहिए। वहां बहादुरी का एक भी कारनामा कर दिखाया तो इतिहास में नाम अमर हो जाएगा। सिर्फ वीडियो वायरल करने के लिए इतना बड़ा जोखिम लेना अस्पताल, जेल या वहां पहुंचा सकता है, जहां से लौटकर कोई नहीं आता।

ट्वीटर टॉक

25 जून, 1975 में तत्कालीन सरकार ने लोकतंत्र की हत्या कर देश में आपातकाल की घोषणा की थी, जो भारतीय इतिहास का सबसे काला दिन था। देश की संसद को निष्क्रय बना कर उच्चतम न्यायालय को मूकदर्शक की हैसियत में तब्दील कर दिया गया ।

-वसुंधरा राजे

टी-20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में आस्ट्रेलिया पर 24 रन की शानदार जीत दर्ज करके सेमिफाइनल में जगह सुनिश्चित करने पर भारतीय क्रिकेट टीम एवं सभी क्रिकेट प्रेमियों को हार्दिक बधाई! 'विजय अभियान' निरंतरता जारी रहे, ऐसी मेरी शुभकामनाएं हैं।

-दीया कुमारी

'ज्ञान-शील-एकता' के मंत्र के साथ विद्यार्थियों में राष्ट्रवाद की भावना जागृत करने वाले 'अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद' (राजस्थान) के प्रतिनिधि मंडल से आत्मीय भेंट की तथा उनके साथ 'युवा सशक्तिकरण व छात्र कल्याण' से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

शब्दों का सदुपयोग

एक बार मदर टेरेसा अनाथ और वंचितों के लिए धनसंग्रह हेतु एक कस्बे के लिए बस यात्रा कर रही थीं। उनका सादा वेश और उनके सरल तौर-तरीके पर कुछ फैशनेबल यात्रीगण उनको हेय समझ बैठे। मगर, मदर ने उनको जवाब नहीं दिया। कुछ देर बाद एक बस स्टॉप आया। वहां से दो जाने-माने कारोबारी बस में आये और मदर टेरेसा का सम्मान किया। वे चाहते थे कि मदर आराम से उनके वाहन में बैठकर आगे जायें। मगर मदर टेरेसा ने उनको धन्यवाद कर उस बस से ही आगे की यात्रा जारी रखी। अब उनको हेय समझने वाले इतने शर्मिंदा हुए कि मदर के समीप जाकर उन से माफी मांगते हुए बोले, 'आपने हमारे कटु शब्द का जवाब तक न दिया।' मदर उनको आशीर्वाद देती हुई बोली, 'मैं अपनी ऊर्जा और शब्दों का सदुपयोग करती हूं, दुरुपयोग कभी नहीं।' सचमुच, मदर टेरेसा आखिरी सांस तक विनम्र थीं।

सामयिक

युवाओं की सृजनशीलता को मिटा रहे मादक पदार्थ

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041.

मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। भारत में मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं। कोकीन हो या अन्य ऐसे ही मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं।

युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं।

देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है।

अधिकांश लोगों में गलत धारणाएं विद्यमान हैं कि मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं।

वर्ष 1993 में प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने बताया है कि कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरूपयोग कहा जाता है। मादक पदार्थों के सेवन का आदी हो जाने पर व्यक्ति में प्रायः कुछ लक्षण प्रकट होते हैं, जिनमें खेलकूद और रोजमर्रा के कार्यों में दिलचस्पी न रहना, भूख कम लगना, वजन कम हो जाना, शरीर में कंपकंपी छूटना, आंखें लाल, सूजी हुई रहना, दिखाई कम देना, चक्कर आना, उल्टी आना, अत्यधिक पसीना आना, शरीर में दर्द, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, सुस्ती, आलस्य, निराशा, गहरी चिन्ता इत्यादि प्रमुख हैं। सुई के जरिये मादक पदार्थ लेने वालों को एड्स का खतरा भी रहता है।

देशभर में नशे का अवैध व्यापार तेजी से फल-फूलने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि नशे के सौदागरों के लिए मादक पदार्थों की तस्करी सोने का अंडे देने वाली मुर्गी साबित हो रही है। विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का 15 फीसदी हिस्सा यही व्यापार रखता है। भारत से मादक पदार्थों की तस्करी अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, बर्मा, ईरान आदि देशों के जरिये होती रही है और अवसर मिलते ही ये मादक पदार्थ तस्करी के जरिये पश्चिमी देशों में पहुंचा दिए जाते हैं। हालांकि भारत इस अवैध व्यापार में तस्करों के लिए केवल एक पड़ाव का काम करता है लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि इस अवैध व्यापार का तस्करी, आतंकवाद, शहरी क्षेत्र के संगठित अपराध तथा आर्थिक एवं व्यावसायिक अपराधों से काफी करीबी रिश्ता है। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भौगोलिक स्थिति के कारण भारत नशीली दवाओं की तस्करी के लिए सबसे अच्छा रास्ता बन गया है।

हालांकि नशे के अवैध व्यापार पर लगाम कसने के लिए हमारे यहां अन्य देशों के मुकाबले बहुत कड़े कानून हैं, फिर भी अपराधी अक्सर कानून की कुछ खामियों की वजह से बच निकलते हैं और यही कारण है कि मादक पदार्थों का अवैध व्यापार भारत में निरंतर फल-फूल रहा है। आज युवा पीढ़ी जिस कदर मादक पदार्थों की शिकंजे में फंस रही है, उसके मद्देनजर समाज का कर्त्तव्य है कि वह युवा वर्ग का मार्गदर्शन करते हुए उसे उचित मार्ग दिखलाए और गलत मार्ग पर चलने से रोके। ऐसे कार्यों को केवल सरकार के ही भरोसे छोड़ देना उचित नहीं बल्कि समाज को भी इस दिशा में ठोस पहल करनी होगी।

नजरिया

सावधान! बच्चों की पहुंच तक आ चुका नशे का जहर

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मोबाइल : 082374 17041

आज के आधुनिक युग में हम कहने को उन्नत हो रहे है, लेकिन संस्कार, जिम्मेदारी, आदरभाव, अपनापन, प्रेम, करुणा, दया भाव, नैतिकता जैसे शब्दों का कोई मोल नज़र नहीं आता। समाज में लगातार अराजकता फ़ैल रही है जिससे, सामाजिक समस्याएँ और अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है। इसके प्रमुख कारणों में से एक नशाख़ोरी है। एक समय था जब हम हशीश, गांजा, कोकीन जैसे खतरनाक नशीले जहर के बारे में केवल सुनते थे और फिल्मों में देखते थे, लेकिन अब ये नशा हमारे अपने लोगों तक भी पहुंच गया है और स्कूल-कॉलेज जाने वाले किशोर इस नशे के आदी होकर अपनी जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। हर दिन मादक पदार्थों की तस्करी की खबरें पढ़ने-सुनने को मिलती है, युवावर्ग तेजी से नशे के प्रति आकर्षित हो रहा है। हुक्का बार, पब, पार्टी का चलन खूब बढ़ रहा है। इस समस्या में सबसे बड़ी ग़लती अभिभावको की नजर आती है, जो आज की युवापीढ़ी को योग्य संस्कार और बेहतर परवरिश देने में नाकाम हो रही है। अक्सर सड़क किनारे, फुटपाथ पर, निर्जन स्थलों पर, खंडहरनुमा मकानों या गलिच्छ बस्तियों में बच्चें से लेकर बड़े तक नशा करते हुए दिखते है। छोटे-छोटे बच्चे भी घातक रसायन, पेट्रोल, सैनिटाइजर, व्हाइटनर, खांसी की दवा, दर्द निवारक, गोंद, पेंट, गैसोलीन सुंघकर नशा करते है, बहुत बार, अभिभावक बच्चों की ऐसी हरकतों को देखकर भी नजरअंदाज कर देते है, जो कि घातक है। देश में 10-17 वर्ष की आयु के लगभग 15.8 मिलियन बच्चे मादक पदार्थों के आदी हैं। वैश्विक मादक पदार्थों की तस्करी का कारोबार 650 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, जो कुल अवैध अर्थव्यवस्था का 30 प्रतिशत है। हर साल शराब ही दुनिया भर में 2.3 मिलियन मौतों के लिए जिम्मेदार है।

बचपन से महंगे शौक, जिद, गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड का चलन, आधुनिकता की जगमगाहट, झूठा दिखावा और फिल्मों, सोशल मीडिया का बच्चों के दिमाग पर बुरे असर ने नशे के प्रति किशोरों के आकर्षण को तीव्र कर जीवन में जहर घोल दिया है। कुछ दिन पहले महाराष्ट्र राज्य के पुणे शहर में एक करोड़पति बिल्डर के नाबालिग नशेड़ी लड़के ने अपनी पोर्श कार से दो अभियांत्रिकी युवाओं को कुचल दिया था, फिर भी बड़े रसूखवाले इस बिल्डर पिता ने अपने अपराधी लड़के को बचाने के लिए भरसक प्रयास किये, चार महीने पहले महाराष्ट्र के नागपुर में बड़े उद्योगपति संभ्रांत परिवार की बहू ने नशे की हालत में अपनी कार से आधी रात में दो युवा इंजीनियरों को मौत के घाट उतार दिया, अब फिर नागपुर में रात में इंजीनियरिंग के छात्र ने शराब के नशे में गाड़ी चलाते हुए फुटपाथ पर सो रहे 9 लोगों को कुचल दिया। आजकल के अभिभावक ही अपने जिम्मेदारियों को समझ नही रहे है, रोज नशे से संबंधित अपराधों की ख़बरें पढ़ने-सुनने को मिलती है, कोई युवा नशे के लिए अपने अभिभावकों को मौत के घाट उतार देते है, तो कोई बच्चे नशे की हालत में क्राइम कर रहे है। अभिभावकों का लगातार व्यस्त रहना, बच्चों की दिनचर्या पर ध्यान न देना, बच्चों पर नियंत्रण न होना, बच्चों की गलतियों को हमेशा नजरअंदाज करना, केवल महंगे संसाधन या भौतिक सुविधा देना, अति लाड प्यार कर बच्चों की हर जिद पूरी करना ही अभिभावकों ने अपनी जिम्मेदारी समझी है, अपितु बच्चों को समय देना, उनके कार्यकलापों में सहभागी होना, बच्चों का दोस्त बनकर जीना अहम जिम्मेदारी है।

हर साल 26 जून को नशे के प्रति जागरुकता और मादक पदार्थों की तस्करी के रोकथाम के लिए नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस विश्वभर में मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम सबूत स्पष्ट हैं: रोकथाम में निवेश करें यह है। आज विश्व में सबसे बड़ा युवाओं का देश भारत है, युवाओं को संभालकर योग्य दिशा में अग्रसर करना ही देश का विकास है। मीडिया के माध्यम से हमेशा यह पता चलता है कि नशीली दवाओं की तस्करी के लिए किशोरों का उपयोग किया जा रहा है, ऐसे गलत काम करने के लिए पैसे का लालच दिया जा रहा है, ताकि स्कूल और कॉलेज जाने वाले बच्चे भी नशीली दवाओं के जहर के संपर्क में आसानी से आ जाएं। जिन होनहार युवाओं के भरोसे देश का उज्वल भविष्य टिका है वो नशे में अपना वर्तमान और सुनहरा भविष्य अंधकारमय बना रहे है और आनेवाली पीढ़ी के रूप में देश को खोखला, बीमार, कमजोर, अविकसित, समस्याग्रस्त, आपराधिक प्रवृत्ति का युवा सौंप रहे हैं।

ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी के अनुसार, 2017 में दुनिया भर में अवैध दवाओं से लगभग 7.5 लाख लोगों की मौत होने का अनुमान है। एम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इनहेलर के नशे में करीब 18 लाख वयस्क और 4.6 लाख बच्चे बुरी लत की श्रेणी में आते हैं। पंजाब में कुल कैदियों में से कम से कम 30 प्रतिशत अवैध मादक पदार्थ रखने के आरोप में जेल में सजा काट रहे हैं। सरकारी रिपोर्ट बताती है कि, 2018 में भारत में 2.3 करोड़ ओपिओइड नशेड़ी थे, जो 14 वर्षों में पांच गुना वृद्धि है। एक एनजीओ सर्वेक्षण बताता है कि भारत में उपचार की आवश्यकता वाले 63.6 प्रतिशत मरीज 15 वर्ष से कम उम्र के हैं। ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय रिपोर्ट अनुसार, भारत में नशीली दवाओं और मादक द्रव्यों के सेवन में शामिल लगभग 13 प्रतिशत लोग 20 वर्ष से कम उम्र के हैं। भारत देश में हर साल 20 मिलियन बच्चे और हर दिन लगभग 55,000 बच्चे तंबाकू के आदी होते है और अमेरिका में हर दिन धूम्रपान करने वाले 3000 नए बच्चों के मुकाबले यह संख्या भयावह है।

घरेलू अल्कोहल पेय उद्योग में 8-10 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड 2023 की वार्षिक रिपोर्ट अनुसार, दुनिया के 397 अफीम उपयोगकर्ता दक्षिण एशिया में रहते हैं। वैश्विक स्तर पर हेरोइन बाजार 430-450 टन के वार्षिक प्रवाह को दर्शाते हैं। भारतीय सेना द्वारा 2018 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जम्मू कश्मीर में लगभग 407 युवा किसी न किसी रूप में नशे की लत से पीड़ित हैं, जो 2008 में 57 से कम था। भारत में पिछले एक दशक में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और शराब की लत के कारण आत्महत्या करने वालों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है। विश्व ड्रग रिपोर्ट 2023 अनुसार, वैश्विक स्तर पर, 2021 में 296 मिलियन से अधिक लोगों ने नशीली दवाओं का उपयोग किया, जो पिछले दशक की तुलना में 23 प्रतिशत की वृद्धि है। इस बीच, नशीली दवाओं के उपयोग संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़कर 39.5 मिलियन हो गई है, जो 10 वर्षों में 45 प्रतिशत की वृद्धि है। अफ्रीका में, उपचाराधीन 70 प्रतिशत लोग 35 वर्ष से कम आयु के हैं।

विश्व स्तर के साथ भारत देश में नशे का कारोबार बहुत तेजी से बढ़ रहा है, नशा इंसान को जिन्दा लाश बना कर रख देता है और बुराइयों, अपराध, नकारात्मक विचारों को बढ़ावा देता है। नशे के कारण आर्थिक, सामाजिक, पारिवारिक और मुख्य रूप से शारीरिक, मानसिक क्षति होती है। आज के अभिभावकों को अपने बच्चों के प्रति अधिक सजग रहने की आवश्यकता है, अपने बच्चे अपनी जिम्मेदारी है, अभिभावकों का व्यस्तता का बहाना बच्चों के भविष्य के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। बच्चों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, बच्चों को समय देना सीखें, बच्चों के सामने बड़ो का व्यवहार आदर्शात्मक होना चाहिए, बच्चे अपनी दिनचर्या कैसे बिताते है, किससे मिलते हैं, उनकी मित्रमंडली कैसी है, बच्चे बाहर खर्चा कहां करते है, यह सब अभिभावकों को पता होना चाहिए। आधुनिकता विचारों में होनी चाहिए, दिखावे में नहीं, इसलिए बच्चों को दुनियादारी, व्यवहार ज्ञान, अच्छे-बुरे की समझ अभिभावकों द्वारा मिलनी ही चाहिए। आज के समय में संस्कार, सत्य, नीतिमत्ता तेजी से विलुप्त हो रहे है, जो बच्चों के साथ अभिभावकों के लिए भी ये बेहद आवश्यक है। नशा छोड़े, जागरूक रहें, बच्चों को देश का उज्वल भविष्य बनने के लिए उन्हें बेहतर और पोषक वातावरण दें। अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर संगठन, सरकार, स्वयंसेवी संस्थान नशामुक्ति और मादक पदार्थों के तस्करी के विरुद्ध कार्य करते है। भारत सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत राष्ट्रीय टोल फ्री नशा मुक्ति हेल्पलाइन 14446 पर संपर्क कर सकते है।

वश्व स्तर के साथ भारत देश में नशे का कारोबार बहुत तेजी से बढ़ रहा है, नशा इंसान को जिन्दा लाश बना कर रख देता है और बुराइयों, अपराध, नकारात्मक विचारों को बढ़ावा देता है। नशे के कारण आर्थिक, सामाजिक, पारिवारिक और मुख्य रूप से शारीरिक, मानसिक क्षति होती है। आज के अभिभावकों को अपने बच्चों के प्रति अधिक सजग रहने की आवश्यकता है, अपने बच्चे अपनी जिम्मेदारी है, अभिभावकों का व्यस्तता का बहाना बच्चों के भविष्य के लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कांग्रेस का नेतृत्व एवं चेहरा बदला लेकिन चरित्र लोकतंत्र और संविधान का गला घोंटने वाला ही: आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी पर देश में आपातकाल लागू कर लोकतंत्र और संविधान का गला घोंटने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस

का नेतृत्व और चेहरा बदला होगा, लेकिन चरित्र और हाव-भाव वही है। यहां अपने सरकारी आवास पर आपातकाल की 50वीं बरसी पर योगी ने पत्रकारों से कहा, ''एक काला अध्याय आज से ठीक 50 वर्ष पूर्व आज के दिन ही देर रात्रि में हुआ था, जब कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने संविधान का गला घोंटते हुए लोकतंत्र को पूरी तरह समाप्त करने की साजिश रची थी।'' उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 की रात के अंधेरे में इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार ने भारत के लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास किया था।

योगी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी, मोरारजी देसाई, जयप्रकाश नारायण, लालकृष्ण आडवाणी समेत उस समय के सभी विपक्षी नेताओं को जेल में बंदकर लोकतंत्र का गला घोंटने का पूरा प्रयास किया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''आज जब 50 वर्ष के उपरांत हम आपातकाल की उन यादों को स्मरण करते हैं तो स्वाभाविक रूप से कांग्रेस में चेहरे बदले होंगे, लेकिन उनका चरित्र और हाव भाव वही है, जो 1975 में एक बर्बर चेहरा देखने को मिला था।''

योगी ने कहा , '' कैसे कांग्रेस ने संविधान की मूल आत्मा में संशोधन कर उसे नष्ट करने का प्रयास किया था, कैसे उसने देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों को प्रतिबंधित कर दिया था, कैसे न्यायालय के अधिकारों को उसने बंधक बना लिया था और आज भी कांग्रेस पार्टी में भले ही नेतृत्व और चेहरा बदला हो लेकिन चरित्र तो उसका वही है।'' कांग्रेस के साथ खड़े आपातकाल विरोधी राजनीतिक दलों को निशाना बनाते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को बहाल करने के लिए जिन लोगों ने जेल की यातना सही और अपना सर्वस्व न्यौछावर किया था, आश्चर्य है कि उनकी वर्तमान पीढ़ी उसी कांग्रेस की गोद में बैठकर देश को फिर से तानाशाही, लोकतंत्र एवं संविधान विरोधी तंग दायरे की ओर धकेलने का कुत्सित प्रयास कर रही है। योगी ने कहा कि जिन दलों का उदय ही लोकतंत्र को बचाने के लिए हुआ था, आज वे कांग्रेस की गोदी में बैठकर जिस तरह का आचरण कर रहे हैं, उसके लिए उन्हें जनता किसी स्थिति में स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने तंज किया, ''ये लोग लोकतंत्र की दुहाई देते हैं, लेकिन भारत के बाहर जाकर भारत के लोकतंत्र को कटघरे में खड़ा करते हैं। वे भारत की चुनाव प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह खडा करते हैं।

लोकसभा में 1976 के बाद पहली बार होगा अध्यक्ष का चुनाव

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा बुधवार को अध्यक्ष पद के लिए चुनाव का गवाह बनेगी जो 1976 के बाद इस तरह का पहला मौका होगा। कांग्रेस सदस्य कोडिकुनिल सुरेश को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष का उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह लोकसभा उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को दिए जाने के संदर्भ में आश्वासन देने में विफल रहे। स्वतंत्र भारत में लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए केवल तीन बार 1952, 1967 और 1976 में चुनाव हुए।

वर्ष 1952 में कांग्रेस सदस्य जी वी मावलंकर को लोकसभा अध्यक्ष के रूप में चुना गया था। मावलंकर को प्रतिद्वंद्वी शांताराम मोरे के खिलाफ 394 वोट मिले, जबकि मोरे सिर्फ 55 वोट हासिल करने में सफल रहे।

वर्ष 1967 में टी. विश्वनाथम ने कांग्रेस उम्मीदवार नीलम संजीव रेड्डी के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव लड़ा। रेड्डी को विश्वनाथम के 207 के मुकाबले 278 वोट मिले और वह अध्यक्ष चुने गए।

इसके बाद पांचवीं लोकसभा में 1975 में तत्कालीन प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाए जाने के बाद पांचवें सत्र की अवधि एक वर्ष के लिए बढ़ा दी गई थी। तत्कालीन अध्यक्ष जीएस ढिल्लों ने एक दिसंबर, 1975 को इस्तीफा दे दिया था।

कांग्रेस नेता बलिराम भगत को पांच जनवरी, 1976 को लोकसभा अध्यक्ष चुना गया था। इंदिरा गांधी ने भगत को लोकसभा अध्यक्ष के रूप में चुनने के लिए प्रस्ताव पेश किया था, जबकि कांग्रेस (ओ) के प्रसन्नभाई मेहता ने जनसंघ नेता जगन्नाथराव जोशी को चुनने के लिए प्रस्ताव पेश किया था। भगत को जोशी के 58 के मुकाबले 344 वोट मिले। वर्ष 1998 में तत्कालीन कांग्रेस नेता शरद पवार ने पी ए संगमा को अध्यक्ष चुनने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया था, जिसे अस्वीकार कर दिया गया था। पवार के प्रस्ताव के अस्वीकार किए जाने बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने तेलुगू देशम पार्टी के सदस्य जी एम सी बालयोगी को लोकसभा अध्यक्ष के रूप में चुनने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया। वाजपेई द्वारा रखा गया प्रस्ताव स्वीकृत हो गया।

उद्घाटन

नई दिल्ली में मंगलवार को केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर, द्वारका में भारत अंतर्राष्ट्रीय परिधान मेले के 71वें संस्करण का उद्घाटन किया।

इंदिरा गांधी के 'थोपे' आपातकाल के लिए खेद जताएं राहुल गांधी : वर्मा

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता विक्रम वर्मा ने मंगलवार को यहां कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने वर्ष 1975 में निजी स्वार्थ के लिए देश पर आपातकाल 'थोपा' था और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को अपनी दादी के इस कृत्य के लिए सार्वजनिक रूप से खेद जताना चाहिए। वर्मा ने संवाददाताओं से कहा, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने मंत्रिमंडल की सहमति के बगैर निजी स्वार्थ के लिए देश पर आपातकाल थोपा था और लोकतंत्र की हत्या कर दी थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री वर्मा ने कहा कि यह बात आश्चर्यजनक और हास्यास्पद है कि इंदिरा गांधी के पोते राहुल गांधी इन दिनों संविधान की प्रति के साथ संसद में दिखाए देते हैं। उन्होंने कहा, सबसे पहले तो राहुल को खेद प्रकट करना चाहिए कि उनकी दादी ने देश पर आपातकाल लगाकर गलत काम किया था। वर्मा ने राहुल को अपरिपक्व बताते हुए दावा किया कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष को संविधान के अनुच्छेदों के बारे में कोई ज्ञान नहीं है। देश में जातिगत जनगणना को लेकर राहुल की पुरानी मांग पर उन्होंने कहा, यह जरूरी नहीं है कि जातिगत जनगणना कराई जाए। अलग-अलग जातियों की आर्थिक स्थिति पता लगाने के लिए आंतरिक सर्वेक्षण कराए जा सकते हैं।

कल्कि 2898 में पौराणिक कथाओं के साथ भविष्य का अनूठा मिश्रण : अमिताभ

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म कल्कि 2898 एडी के जरिये भविष्यवाद के साथ पौराणिक कथाओं का अनूठा मिश्रण किया गया है,जो दर्शकों को बेहद पसंद आयेगा। 'कल्कि 2898' एडी इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है।नाग अश्विन द्वारा निर्देशित सायंस फिक्शन महाकाव्य फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।कल्कि 2898 एडी का प्रशंसक बेसब्री से इसकी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। रिलीज़ ट्रेलर के बाद, इस उत्साह को 'द कल्कि क्रॉनिकल्स' द्वारा और भी बढ़ा दिया गया, जो कि स्टार कलाकारों के साथ एक साक्षात्कार श्रृंखला है जो फिल्म के निर्माण के बारे में जानकारी देती है। साक्षात्कार में अमिताभ,कमल हासन, प्रभास ,दीपिका पादुकोण निर्माता स्वप्ना दत्त और प्रियंका दत्त मौजूद थी।

कल्कि 2898 एडी पौराणिक विषयों पर आधारित है, जिसमें अश्वत्थामा और भैरव जैसे पात्र हैं, जो प्राचीन भारतीय महाकाव्यों में निहित हैं। भविष्य की कथा के साथ पौराणिक पात्रों का यह मिश्रण कहानी में एक अनोखी गहराई और समृद्धि जोड़ता है।'द कल्कि क्रॉनिकल्स' के पहले एपिसोड में अमिताभ बच्चन ने फिल्म पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, हम पौराणिक कथाओं को भविष्य की किसी चीज़ के साथ मिलाने में सक्षम हैं, कल्कि 2898 एडी बहुत अनोखा और सफल प्रयोग रहा।उन्होंने दर्शकों को आश्वासन दिया, फिल्म के अंत तक, आप वास्तव में उस पर विश्वास करेंगे जो आपने देखा था।फिल्म गुणवत्ता से परिपूर्ण है और इसके निर्माण में काफी सावधानी बरती गयी है।

अमिताभ ने कहा कि जब निर्देशक नाग अश्विन फिल्म के बारे में बात करने के लिए उनके पास आए थे तो एक फोटो साथ में लाए थे। तस्वीर यह दिखाने के लिए थी कि उनका और प्रभास का किरदार कैसे दिखेगा। उस तस्वीर में अमिताभ बच्चन का किरदार प्रभास के किरदार को धक्का दे रहा था। इस किस्से को सुनाने के बाद बिग बी ने कहा कि मैं हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं और प्रभास के फैंस कृपया मुझे माफ कर दें। वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित 'कल्कि 2898 एडी' हिंदी के साथ-साथ तमिल, तेलुगु, मलयाली, कन्नड़ और अंग्रेजी भाषा में 27 जून को रिलीज होगी।

आपातकाल की 49वीं वर्षगांठ पर कंगना ने 'इमरजेंसी' का पोस्टर जारी किया

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सह नेत्री एवं मंडी से सांसद कंगना रनौत ने मंगलवार को आगामी छह सितम्बर को रिलीज होने वाली फिल्म 'इमरजेंसी' के पोस्टर जारी किया। कंगना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का नया पोस्टर जारी किया। उन्होंने पोस्टर के साथ कैप्शन भी लिखा , स्वतंत्र भारत के सबसे काले अध्याय के 50वें वर्ष की शुरुआत, 06 सितंबर-2024 को सिनेमाघरों में कंगना रनौत की 'इमरजेंसी' की घोषणा। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के सबसे विवादास्पद प्रकरण की विस्फोटक गाथा, 06 सितम्बर को 'इमरजेंसी' दुनिया भर के सिनेमाघरों में।

दिलचस्प तथ्य यह भी है कि नवनिर्वाचित भाजपा सांसद ने अपनी फिल्म के रिलीज की घोषणा ऐसे समय की है , जब 1975 में आपातकाल लागू होने की 49वीं वर्षगांठ के मौके को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी इंडिया समूह के खिलाफ हथियार के रूप में पेश किया है। फिल्म की रिलीज की तारीख पहले भी कई मौकों पर टाली जा चुकी है।

मई में कंगना ने लोकसभा चुनाव अभियान के कारण अपनी फिल्म की रिलीज को टाला था।

'इमरजेंसी' में कंगना ने भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है, जिन्हें और उनकी कांग्रेस पार्टी को देश भर में स्वतंत्रता और अधिकारों का दमन करने वाले आपातकाल को लागू करने के लिए दोषी ठहराया गया है। यह फिल्म देश में आपातकाल के दौरान के उन महत्वपूर्ण और उथल-पुथल भरे घटनाओं पर केंद्रित है, जो व्यापक राजनीतिक और सामाजिक उतार-चढ़ाव से भरा हुआ था।

अजय देवगन के घर शादी का कार्ड लेकर पहुंचे अनंत अंबानी

मुंबई/एजेन्सी

मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी जल्द ही राधिका मर्चेंट के साथ शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। दोनों की शादी 12 जुलाई को होने वाली है, जिसको लेकर अंबानी परिवार शादी के तैयारियों में लगा हुआ है।

जहां बीते दिन नीता अंबानी ने सबसे पहले काशी पहुंचकर बाबा विश्वनाथ के चरणों में अपने बेटे अनंत अंबानी और होने वाली बहु राधिका मर्चेंट की शादी का निमंत्रण रखा। तो वहीं अब अनंत अंबानी भी अपने खास दोस्तों और मेहमानों को कार्ड बांटने में जुट गए हैं।

हाल ही में अनंत अंबानी अपनी शादी का कार्ड देने के लिए बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन के घर गए थे। अनंत के अजय देवगन के घर शिवशक्ति से बाहर आते हुए एक वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

इस वीडियो में अनंत हमेशा की तरह टाइट सिक्योरिटी के बीच अजय के घर से बाहर निकलते हुए नजर आ रहे हैं। अनंत का ये वीडियो आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। बता दें कि अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट 12 जुलाई को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। इनकी शादी का कार्यक्रम तीन दिनों तक जियो वर्ल्ड कनवेंशन सेंटर में होगी। जिसकी शुरूआत 12 जुलाई को शुभ विवाह से होगी। इसके बाद 13 जुलाई को होने वाले आशीर्वाद समारोह और 14 जुलाई को ग्रैंड रिसेप्शन होगा।

उसी के साथ ड्रेस कोड की बात करें तो इस शानदार रॉयल शादी के लिए 'इंडियन फॉर्मल' ड्रेस कोड तय किया गया है, तो 14 जुलाई को मंगल उत्सव यानी रिसेप्शन के दिन लिए ड्रेस कोड 'इंडियन चिक' रखा गया है। वहीं शादी से पहले हाल ही में अनंत-राधिका के लिए क्रूज पर एक शानदार पार्टी का आयोजन किया गया था, जिसकी तस्वीरें और वीडियो अब तक सामने आ रही हैं।

'मटका किंग' में नायिका के रूप में नजर आएंगी कृतिका कामरा

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविज़न से लेकर फ़िल्मों और वेब-सीरीज़ तक, कृतिका कामरा लगातार काम कर रही हैं। गलियारों में बहती हवाओं का कहना है कि कृतिका कामरा को विजव वर्मा अभिनीत क्राइम ड्रामा सीरीज मटका किंग में उनके अपोजिट नायिका के तौर पर शामिल कर लिया गया है। कानों में फुसफुसाते हुए हवाओं ने बताया कि सीरीज़ बंबई मेरी जान में एक महिला गैंगस्टर की उनकी दमदार भूमिका ने उन्हें यह सीरीज दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, कृतिका कामरा ने हवाओं से कहा कि इस नई सीरीज़ में वे मुख्य महिला किरदार निभाएंगी, लेकिन उनके किरदार के बारे में और कोई जानकारी उन्होंने नहीं दी है। शो की शूटिंग में शामिल होने और अपनी खुशी जाहिर करने के बारे में बात करते हुए, कृतिका कामरा ने कहा, मैं 'मटका किंग' का हिस्सा बनकर और ऐसी अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करके रोमांचित हूं। विजय वर्मा के साथ मिलकर काम करना, जिनके काम की मैं बहुत प्रशंसा करती हूं, एक रोमांचक अवसर है। नागराज मंजुले की दृष्टि और कहानी कहने की कला बेजोड़ है, और मैं उनके निर्देशन में अपने किरदार को जीवंत करने के लिए उत्सुक हूं। 'मटका किंग' की कहानी न केवल दिलचस्प है, बल्कि सांस्कृतिक इतिहास से भी समृद्ध है। भारत के अतीत के ऐसे महत्वपूर्ण पहलू से प्रेरणा लेने वाली परियोजना का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। मैं दर्शकों को यह दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकती कि हम क्या काम कर रहे हैं और 'मटका किंग' की दुनिया का अनुभव कैसे लें। मटका किंग का निर्देशन प्रतिष्ठित फिल्म निर्देशक नागराज मंजुले ने किया है, जो अपनी समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्मों सैराट, फैंड्री और झुंड के लिए जाने जाते हैं। कहा जा रहा है कि नागराज मंजुले निर्देशित यह सीरीज उनकी ख्याति को और बढ़ाने का काम करेगी, साथ ही यह शो क्राइम-ड्रामा शैली में एक अतिरिक्त आकर्षण पैदा करने में सफल होगा। कृतिका और विजय के सहयोग से, मंजुले की निर्देशन विशेषज्ञता के साथ, एक ऐसी श्रृंखला लाने की उम्मीद है जो दर्शकों को अपनी गहन कथा और गतिशील प्रदर्शनों से मोहित कर देगी। यह 1960 के दशक से 1990 के दशक तक भारत में फैले वास्तविक जीवन के मटका जुए की घटना पर आधारित है। यह श्रृंखला मटका जुए की मनोरंजक और अक्सर खतरनाक दुनिया को जीवंत करने का वादा करती है। शो का प्रीमियर अमेज़न प्राइम वीडियो पर होगा।

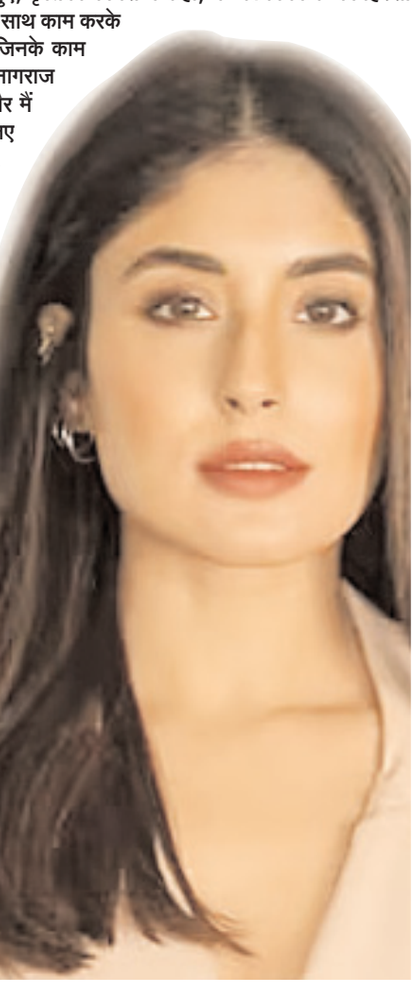

माता-पिता की याद में अक्षय कुमार की अनोखी पहल, बीएमसी के साथ मिलकर लगाए 200 पेड़

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने मुंबई में अपने दिवंगत माता-पिता हरिओम भाटिया और अरुणा भाटिया की याद में पौधारोपण अभियान चलाया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। अक्षय कुमार ने कहा, 'हमें धरती मां से जो मिला है, उसके लिए पेड़ लगाना हमारी तरफ से बहुत छोटा सा रिटर्न गिफ्ट जैसा है। माता-पिता के सम्मान में ऐसा करना मेरे लिए इसे और भी खास बनाता है। अक्षय ने खेरवाड़ी में वेस्टर्न एक्सप्रेस-वे पर वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया। अक्षय ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) कमिश्नर भूषण गगरानी के साथ 200 बहावा के पेड़ लगाए। पौधारोपण के इस अभियान को अनिल कपूर, शत्रुघ्न सिन्हा, अभिषेक बच्चन, अनुपम खेर, बप्पी लहरी, अजय देवगन, सोनू निगम, संग्राम सिंह, रणवीर शौरी, रोहित शेट्टी, हेमा मालिनी, सोनाक्षी सिन्हा और आयशा जुल्का जैसे प्रमुख आइकन से समर्थन मिला है।

अक्षय कुमार जल्द ही फिल्म 'सरफिरा' में दिखाई देंगे। इस फिल्म में वह वीर म्हात्रे का किरदार निभा रहे हैं, जिसका मकसद कम आय वाले लोगों के लिए किफायती एयरलाइन बनाना है। फिल्म एयरलाइन सिम्पलीफ्लाई डेक्कन के फाउंडर कैप्टन जी.आर. गोपीनाथ के जीवन से प्रेरित हैं।अक्षय के अलावा फिल्म में परेश रावल, राधिका मदान और सीमा बिस्वास अहम रोल में हैं. केप ऑफ गुड फिल्म्स की अरुणा भाटिया, सूर्या और ज्योतिका (2डी एंटरटेनमेंट) और विक्रम मल्होत्रा (अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट) द्वारा निर्मित 'सरफिरा' 12 जुलाई को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

'गदर 3' में काम करना चाहती है अमीषा पटेल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री अमीषा पटेल गदर 3 में काम करना चाहती है। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी ब्लॉकबस्टर फिल्म गदर : एक प्रेम कथा वर्ष 2001 में प्रदर्शित हुयी थी। इस फिल्म में सन्नी देओल और अमीषा पटेल ने मुख्य भूमिका निभायी। पिछले वर्ष गदर : एक प्रेम कथा की सीक्वल गदर 2 प्रदर्शित हुयी। अब अनिल शर्मा , गदर 3 बना रहे हैं। अमीषा पटेल ने हाल ही एक आस्क मी एनीथिंग सेशन ट्विटर यानी एक्स पर किया। अमीषा ने यहां अपनी आने वाली फिल्मों के बारे में बातें की। अमीषा पटेल ने कहा कि वह गदर-3 में काम करना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि निर्देशक अनिल शर्मा उनके लिए फैमिली के जैसे ही

हैं। उन्होंने कहा,हमारे रचनात्मक मतभेद फिल्म की बेहतरी के लिए हैं, लेकिन एक-दूसरे के प्रति हमारा सम्मान और लगाव इन सबसे कहीं अधिक गहरा है, इसलिए हां, यदि हम एक ही पृष्ठ पर हैं तो निश्चित रूप से 'गदर 3' में खुशी से काम करेंगे। अमीषा पटेल ने अपनी हिट फिल्म हमराज के बारे में कहा कि यह अभी पाइपलाइन में हैं। अब्बास मस्तान इसकी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | बुधवार | 26-06-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के जीतो साउथ लेडीज विंग द्वारा चामराजपेट कार्यालय में किचन गार्डनिंग सत्र का आयोजन किया गया। विंग की चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि किचन गार्डनिंग बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि घर की सब्जी फल आदि के छिलकों का उपयोग भी हो जाता है और घर में ताजा सब्जियाँ मिल सकती हैं।

चलकेरे में भजनों के माध्यम से याद किए गए आचार्य तुलसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चलकेरे। शहर के महावीर जैन भवन में साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में अणुव्रत प्रवर्तक गणाधिपतिश्री तुलसी के 28 वें महाप्रयाण दिवस के अवसर पर भावांजलि कार्यक्रम धम्म जागरण) का आयोजन किया गया । साध्वी श्री पावनप्रभा जी द्वारा नमस्कार महामंत्र व तुलसी उपकारों की अमिट निशानी गीत के संगान के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ।

बेंगलूरु से आए गायक गुलाब बांठिया व देवेंद्र नाहटा ने भजनों के माध्यम से गुरुदेव तुलसी को भावांजलि अर्पित की। इस अवसर पर हिरियूर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष जयंतिलाल चौपड़ा, चित्रदुर्गा तेरापंथ सभा के अध्यक्ष नेमिचन्द चौपड़ा सहित चित्रदुर्गा, हिरियूर, बल्लारी, गदग आदि क्षेत्रों से श्रावकों की अच्छी उपस्थिति रही । कार्यक्रम का संचालन देवराज चौपड़ा ने किया ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

योग अभ्यास

तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर के अंतर्गत तेरापंथ कन्या मण्डल, द्वारा 'समत्वम योग उच्चते' (मन का समत्व ही योग है) का आयोजन किया। मण्डल की संयोजिका ध्वनि गन्ना ने सभी का स्वागत किया। महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू गादिया ने कन्याओं को जीवन में योग के महत्व को समझाया। योग प्रशिक्षिका दीप्ति दक व प्रेक्षा ध्यान आराधक अभिलाषा डांगी ने योगाभ्यास कराया। सह संयोजिका प्रियल बाबेल ने धन्यवाद दिया। किया। प्रभारी मोनिका गांधी ने व्यवस्था संभाली।

जीतो साउथ लेडीज विंग ने आयोजित किया किचन गार्डनिंग सत्र

महिलाओं ने सीखी घर में सब्जियां उगाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो साउथ लेडीज विंग द्वारा चामराजपेट कार्यालय में किचन गार्डनिंग सत्र का आयोजन किया गया। विंग की चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि किचन गार्डनिंग बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि घर की सब्जी फल आदि के छिलकों का उपयोग भी हो जाता है और घर में ताजा सब्जियाँ मिल सकती हैं। मुख्य सचिव मोनिका पिरगल ने कहा कि हम रसोई के गीले कचरे का उपयोग कर किचन गार्डन में खाद का काम ले सकते हैं। कार्यक्रम की संयोजिका भारती छाजेड तलेसरा ने किचन गार्डनिंग विशेषज्ञ व प्रशिक्षिका प्रतिमा अडिगा का परिचय दिया। प्रतिमा अडिगा ने बताया कि रसोई बागवानी यानी घर की छत या आँगन में सब्जियाँ, फल और जड़ी–बूटियाँ उगाना।

यह न केवल एक स्वस्थ और टिकाऊ जीवन शैली को बढ़ावा देता है, बल्कि यह एक सुकून देने वाला और आनंददायक अनुभव भी है। रसायन मुक्त व घर में उगाए गए फलों और सब्जियों में किसी प्रकार के रसायन या कीटनाशकों का उपयोग नहीं होता, जिससे वे सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक होते हैं। जीतो लेडीज विंग साउथ की उपाध्यक्ष प्रभा गुलेच्छा व बबीता रायसोनी के साथ कार्यकारिणी सदस्य उर्मिला बरडिया, नंदा मेहता, निशा टुकलिया, सपना चोपडा आदि उपस्थित थीं। धन्यवाद ज्ञापन सहसंयोजिका इंदु खिवेंसरा ने दिया। कार्यक्रम में जीतो की 120 महिला सदस्याओं ने भाग लिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

निशुल्क दंत जांच शिविर

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम में गणाधिपति आचार्यश्री तुलसी के 28वें महाप्रयाण दिवस के उपलक्ष में 14 दिवसीय निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कुल 60 सदस्यों ने लाभ लिया। इसी के साथ रियायती दरों पर विभिन्न जांच की गई तथा विशेष हेल्थ पैकेज के अंतर्गत सम्पूर्ण शारीरिक जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में मेरी भारत यात्रा अहम भूमिका निभाएगी : हसीना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपनी हालिया भारत यात्रा को मंगलवार को ''बहुत सार्थक'' बताया और कहा कि भारत के शीर्ष नेतृत्व के साथ उनकी वार्ता के नतीजे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और सहयोग के नये आयाम खोलने में ''महत्वपूर्ण भूमिका'' निभाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के न्योते पर हसीना ने पिछले हफ्ते भारत की दो दिवसीय राजकीय यात्रा की। भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के बाद किसी विदेशी शासनाध्यक्ष की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा थी। हसीना (76) ने यहां अपने आवास पर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ढाका तीस्ता नदी परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर सर्वाधिक लाभकारी प्रस्ताव स्वीकार करेगा।

'ढाका ट्रिब्यून' अखबार की खबर के अनुसार, उन्होंने कहा कि इस यात्रा ने दोनों देशों के लोगों के सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए नये आयाम खोले हैं। खबर में उन्हें उद्धृत करते हुए कहा गया है, ''यात्रा छोटी लेकिन बहुत सार्थक थी। मुझे लगता है कि यह यात्रा भारत और बांग्लादेश के बीच मौजूदा शानदार संबंधों को मजबूत करने में एक बहुत अहम भूमिका निभाएगी।''

हसीना की यात्रा के दौरान दोनों देशों ने समुद्री क्षेत्र और समुद्री अर्थव्यवस्था सहित कई क्षेत्रों में संबंध प्रगाढ़ करने के लिए 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस की खबर के अनुसार, तीस्ता नदी जल के प्रबंधन के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए हसीना ने कहा कि बांग्लादेश देश और इसके लोगों के लिए सर्वाधिक लाभकारी प्रस्ताव स्वीकार करेगा। उन्होंने कहा, ''चीन और भारत ने (तीस्ता) परियोजना को कार्यान्वित करने के लिए अलग–अलग प्रस्ताव दिए हैं। हमें उस प्रस्ताव को स्वीकार करना चाहिए जो हमारे देश के लोगों के लिए अधिक लाभकारी हो।''

हसीना ने कहा कि चीन ने भौतिक सर्वेक्षण किया है जबकि भारत तीस्ता परियोजना के क्रियान्वयन के बारे में दूसरा सर्वेक्षण करना चाहता है। उन्होंने कहा, ''हम उस सर्वेक्षण को स्वीकार करेंगे जो हमारे लिए अधिक उपयुक्त और लाभकारी होगा।'

रामदेव मंदिर में हुआ सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड दासरहल्ली स्थित रामदेव प्रार्थना मंदिर में संगीतमय सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बालाजी की आरती से हुआ। मंदिर परिसर में सैकड़ो भक्तों ने भक्ति भाव से पाठ के मध्य भजनों का गायन किया गया।

बजरंगबली की जयकारों से मंदिर गूंज उठा। पंकज शर्मा ने बताया कि हर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ किया जाता है। संस्था के अध्यक्ष चेतन सीरवी ने बताया कि इस मौके पर अनेक भक्त मौजूद रहे।

आचार्य तुलसी के महाप्रयाण दिवस पर आयोजित हुई भाषण प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में गणाधिपति गुरुदेवश्री तुलसी के महाप्रयाण दिवस को विसर्जन दिवस के रूप मे चामराजपेट स्थानक में मनाया गया। साध्वीश्री उदितयशा जी ने कहा कि संसार के अंधकार को दूर करने के लिए एवं अहंकार और लोभ को मिटाने के लिए तुलसी मानव एक रोशनी के रूप में अवतरित हुए। अधिकारों का विसर्जन और अहंकार का विसर्जन करने के लिए एक उदाहरण साध्वीश्री ने प्रस्तुत किया और डिजिटल डिटॉक्स के बारे में बताया।

साध्वी भव्ययशाजी ने कहा गुरुदेव तुलसी एक क्रांतिकारी व्यक्तित्व के स्वामी थे उन्होंने जो विसर्जन किया वह अतुल्य है। सुरुचि हीरावत ने अपने विचार रखे। साध्वीश्री संगीतप्रभा जी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इस मौके पर 'मौलिकता रहे सुरक्षित, परिवर्तन सदा अपेक्षित' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिताओं में विजेताओं को सम्मानित किया गया। अध्यक्ष उषा चौधरी व वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनीता कोठारी ने संचालन किया। प्रचार प्रसार मंत्री सपना गन्ना ने धन्यवाद दिया। इस मौके पर कन्या मंडल की संयोजिका प्रेक्षा वेदमुथा, सहसंयोजिका दिया पोरवार सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

तीसरी बार सांसद निर्वाचित हुए बिरला फिर से बन सकते हैं लोकसभा अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राजस्थान के कोटा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद ओम बिरला अगर लोकसभा अध्यक्ष चुने जाते हैं तो वह दो दशक से अधिक समय में इस पद पर दोबारा आसीन होने वाले पहले व्यक्ति होंगे।

हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में बिरला कोटा लोकसभा सीट से लगातार तीसरी बार सांसद निर्वाचित हुए। कांग्रेस ने उनके सामने भाजपा से आए प्रहलाद गुंजल को खड़ा किया था। बिरला ने गुंजल को 41 हजार से अधिक मतों के अंतर से हराकर कोटा लोकसभा सीट फिर जीत ली।

बिरला को मंगलवार को राजग की तरफ से सर्वसम्मति से पुन: लोकसभा अध्यक्ष का उम्मीदवार बनाया गया है। यदि वह बुधवार को हुए मतदान में जीत जाते हैं तो दो दशक से अधिक समय में वह इस पद पर दोबारा आसीन होने वाले पहले व्यक्ति होंगे।

बिरला को पर्दे के पीछे रहकर संगठन के लिए काम करने वाला नेता माना जाता है। उन्होंने साल 1991 से 2003 तक भाजपा की युवा शाखा के लिए काम किया और इस दौरान भाजपा के आम कार्यकर्ता से लेकर बड़े नेताओं के संपर्क में आए। 2019 में सबको चौंकाते हुए लोकसभा अध्यक्ष के लिए उनका नाम प्रस्तावित किया गया। बिरला पहले ऐसे लोकसभा अध्यक्ष हैं जिनके कार्यकाल में कोई लोकसभा उपाध्यक्ष नहीं चुना गया।

बिरला के नाम संसद के पुराने और नये दोनों भवनों में लोकसभा की अध्यक्षता करने का रिकॉर्ड भी दर्ज है।

सत्रहवीं लोकसभा में उनके अध्यक्ष रहने के दौरान तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को सदन से निष्कासित किए जाने और बड़ी संख्या में सांसदों को निलंबित किए जाने के कारण भी उनका कार्यकाल सुर्खियों में रहा था।

सत्रहवीं लोकसभा के दौरान ही 2023 में नई संसद का उद्घाटन हुआ और नये लोकसभा कक्ष में बिरला ने अध्यक्ष के रूप में निचले सदन की कार्यवाही का संचालन किया।

उनके पिछले कार्यकाल में संसद में अनुच्छेद 370 समाप्त होने, नागरिकता संशोधन कानून लागू होने, तीन आपराधिक कानून लागू होने समेत अनेक महत्वपूर्ण विधायी कामकाज हुए।

बासठ वर्षीय बिरला के लिए कोटा जन्मभूमि व कर्मभूमि दोनों रही है। उन्होंने स्कूली शिक्षा कोटा के गुमानपुरा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से की और उसके बाद बाद राजस्थान विश्वविद्यालय से बी कॉम तथा एम कॉम किया।

बिरला से पहले निचले सदन के लिए पुनः निर्वाचित होने वाले अंतिम लोकसभा अध्यक्ष पी.ए. संगमा थे, जो 1996 से 1998 तक 11वीं लोकसभा के पीठासीन अधिकारी थे।

उस समय कांग्रेस के सदस्य रहे संगमा 1998 के लोकसभा चुनाव में मेघालय के तुरा से दोबारा निर्वाचित हुए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17वीं लोकसभा की अंतिम बैठक में बिरला की प्रशंसा करते हुए कहा था कि उनके चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहती है।

चीन का अंतरिक्ष यान चंद्रमा के सुदूर हिस्से से चट्टान और मिट्टी के नमूने लेकर पृथ्वी पर लौटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

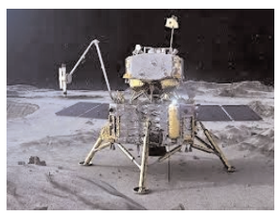

बीजिंग। चीन का चांग'ए 6 अंतरिक्ष यान पहली बार चंद्रमा के सुदूर क्षेत्र से चट्टान और मिट्टी के नमूने एकत्रित करने का ऐतिहासिक मिशन पूरा करने के बाद मंगलवार को पृथ्वी पर लौट आया। यह चीन के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक प्रमुख उपलब्धि है।

चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) ने घोषणा की कि यह अंतरिक्ष यान मंगलवार की दोपहर को उत्तरी चीन के इनर मंगोलियाई स्वायत्त क्षेत्र में बीजिंग के समयानुसार दोपहर दो बजकर सात मिनट पर उतरा और ''यह मिशन पूरी तरह सफल'' रहा।

सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने बताया कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने चांग'ए 6 मिशन की सफलता पर बधाई दी।

चीन का यह अभियान चंद्रमा के सुदूर क्षेत्र तक पहुंचने और वहां से नमूने एकत्रित करने वाला पहला अभियान है। इससे पहले भारत अगस्त 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र के समीप उतरने वाला पहला देश बन गया था। उसका चंद्रयान–3 का लैंडर सफलतापूर्वक वहां उतरा था। पृथ्वी के इकलौते उपग्रह चंद्रमा का यह वह हिस्सा है जिसके बारे में अभी अधिक जानकारी नहीं है।

चीन चंद्रमा के सुदूर हिस्से में उतरने वाला इकलौता देश है। इससे पहले उसने 2019 में ऐसा किया था। चंद्रमा का निकटतम भाग चंद्र गोलार्ध है जो हमेशा सुदूर भाग के विपरीत यानी पृथ्वी की ओर होता है। ऐसा माना जाता है कि चंद्रमा के सुदूर भाग पर पर्वत और गड्ढे हैं जो कि निकटतम भाग पर दिखायी देने वाली अपेक्षाकृत सपाट सतह से अलग है।

सीएनएसए ने बताया कि इस अंतरिक्ष यान को विमान से बीजिंग ले जाया जाएगा और वैज्ञानिकों का एक दल चंद्रमा से एकत्रित किए नमूनों का भंडारण करेगा।

उम्मीद है कि चांग'ए 6 यान चंद्रमा की दो किलोमीटर तक की धूल के कणों और सुदूर हिस्से की चट्टानों के साथ पृथ्वी पर लौटा है जिसका विश्लेषण चीनी अनुसंधानकर्ता करेंगे। चांग'ए चंद्र मिशन का नाम चीन की पौराणिक चंद्रमा देवी के नाम पर रखा गया है। एक ऑर्बिटर, एक रिटर्नर, एक लैंडर और एक आरोहक के साथ चांग'ए 6 मिशन को इस साल तीन मई को प्रक्षेपित किया गया था।

डाक्टर दीपक ने दी घुटने व गठिया रोग की जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बसवनगुड़ी स्थित जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा द्वारा आराधना भवन में अपोलो हॉस्पिटल के डॉक्टर दीपक इनामदार द्वारा घुटनों के गठिया रोग से बचने के उपाय व तरीके बताए तथा रोबॉटिक ऑपरेशन की जानकारी दी।

महिला परिषद की अध्यक्ष आरती जैन ने सभी का स्वागत किया। महिला परिषद द्वारा डॉक्टर दीपक इनामदार का सम्मान किया गया। महामंत्री रेखा चोपड़ा धन्यवाद देते हुए बताया कि महिला परिषद द्वारा अंतरिक्ष पार्श्वनाथ आदि तीर्थों के पूजा, दर्शन वंदन एवं खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी के दर्शन वंदन करने ट्रेन यात्रा संघ प्रस्थान करेगा। यह जानकारी परमेश्वरी संखलेचा ने दी।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कर्नाटक रक्षणा वेदिके के प्रदेश कार्यालय गांधीनगर में आयोजित कार्यक्रम में महेंद्र मुणोत को सम्मानित करते हुए संस्था के प्रदेश अध्यक्ष नारायण गौड़ा एवं अन्य। ज्ञातव्य है कि दो दिन पूर्व ही महेन्द्र मुणोत का जन्मदिन था उसी उपलक्ष्य में उनका सम्मान किया गया।

भारतीय मिस्त्री ने दुबई में 2.25 करोड़ रुपये का जैकपॉट जीता

दुबई/भाषा। भारत के 46 वर्षीय इलेक्ट्रिशियन ने सालों तक पैसों की बचत करने और समझदारी से निवेश करने के बाद दुबई में तकरीबन 2.25 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार जीता है। 'खलीज टाइम्स' में मंगलवार को प्रकाशित एक खबर के अनुसार, आंध्र प्रदेश के नागेंद्रम बोरुगद्दा 2019 से नेशनल बॉन्ड में 100 दिरहम का निवेश कर रहे हैं। अखबार ने बोरुगद्दा के हवाले से कहा, ''मैं अपने परिवार को बेहतर जिंदगी देने और अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा मुहैया कराने के लिए संयुक्त अरब अमीरात आया था। यह जीत किसी सपने की तरह लगती है।''

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com